CNews सिटी चीफ

सिटी चीफ

वर्ष-14, अंक-313
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

इंदौर, गुरुवार 15 फरवरी 2024

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

आज का विचार

बिना विश्वास के कोई काम हो ही नहीं सकता।
- मैथिलीशरण गुप्त

सीमा हैदर 645 किमी पैदल चलकर करना चाहती है रामलला के दर्शन

योगी सरकार से मांगी इजाजत

नोएडा। पाकिस्तान से भागकर अपने प्रेमी के पास आई पाकिस्तानी महिला सीमा हैदर अब खुद को हिंदू बताती है। भगवान कृष्ण की भक्ति में लीन दिखने वाली सीमा हैदर अब रामलला का दर्शन करने के लिए अयोध्या जाना चाहती है। कई बार इसके लिए इच्छा जाहिर कर चुकी सीमा हैदर ने अब सरकार से इजाजत मांगी है। सीमा हैदर को भारतीय नागरिकता दिलाने की कोशिश में जुटे सुप्रीम कोर्ट के वकील एपी सिंह ने कहा है कि इसके लिए कानूनी प्रक्रिया को पूरा किया जा रहा है। सीमा हैदर ने कहा कि वह सचिन और पूरे परिवार के साथ रामलला के दर्शन के लिए अयोध्या जाना चाहती है। वह ग्रेटर नोएडा के रबूपुरा गांव से अयोध्या तक पैदल ही जाना चाहती हैं। बता दें कि नोएडा से अयोध्या तक की दूरी करीब 645 किलोमीटर है। यदि सीमा को अयोध्या जाने की इजाजत मिलती है तो उसे कई दिनों तक पैदल चलते हुए यह दूरी तय करनी होगी। सीमा हैदर के मुंहबोले भाई और वरिष्ठ वकील एपी सिंह ने कहा कि अयोध्या जाने के लिए अनुमति लेने की कोशिश की जा रही है। इसके लिए कानूनी प्रक्रिया पूरी की जा रही है।

वैलेंटाइन डे पर सुंदरकांड पाठ

पाकिस्तानी भाभी नाम से मशहूर हो चुकी सीमा हैदर वैलेंटाइन डे पर भी आस्था में लीन दिखी। सीमा ने अपने प्रेमी सचिन मीणा के साथ सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया। इससे पहले भी कुछ मौकों पर सीमा हैदर सुंदरकांड पाठ में शामिल हो चुकी है। सीमा हैदर खुद को अब हिंदू बताती है। उसका कहना है कि पाकिस्तान में रहते हुए भी उसे हिंदू पर्व-त्योहार बहुत पसंद थे और चुपके से इन्हें निभाती थी। 15 अगस्त, 26 जनवरी हो या होली-दिवाली सभी हिंदू पर्व त्योहार को वह उल्लास के साथ मनाती है और वीडियो भी सोशल मीडिया पर साझा करती है। सीमा हैदर की सोशल मीडिया पर बड़ी फैन फॉलोइंग हो चुकी है।

राज्यसभा चुनाव नामांकन का आज आखिरी दिन, मध्य प्रदेश में भाजपा ने चार तो कांग्रेस ने की एक उम्मीदवार की घोषणा..

भोपाल। मध्य प्रदेश की पांच राज्यसभा सीटों के लिए गुरुवार को नामांकन जमा करने की अंतिम तारीख है। भाजपा के चार और कांग्रेस के एक सदस्य की राज्यसभा जाने की संभावना प्रबल है। बुधवार को कांग्रेस ने अपना एक उम्मीदवार घोषित कर दिया है और भाजपा ने चार सीटों पर अपने उम्मीदवारों के नाम की घोषणा की है। कांग्रेस ने अशोक सिंह को कैंडिडेट घोषित किया है। भाजपा के धर्मेंद्र प्रधान, डॉक्टर एल गुरुगन, कैलाश सोनी, अजय प्रताप सिंह, और कांग्रेस से राजमणि पटेल का कार्यकाल 2 अप्रैल को समाप्त हो जाएगा। राज्यसभा चुनाव के लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा घोषित कार्यक्रम के अनुसार 15 फरवरी तक नामांकन जमा होंगे और 16 फरवरी को जांच होगी। 20 फरवरी तक नामांकन फॉर्म वापस लिए जा सकेंगे। विधानसभा के 230 सदस्य मतदान प्रक्रिया में भाग लेंगे। 27 फरवरी को मतदान सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक कराया जाएगा। 5 बजे से मतगणना होगी और फिर परिणाम घोषित कर दिए जाएंगे। भाजपा ने एल गुरुगन को फिर से उम्मीदवार बनाया है। वहीं अन्य तीन सीटों पर उमेश नाथ महाराज, माया नारोलिया और बंशीलाल गुर्जर को उम्मीदवार घोषित किया है।

देहरादून के सिनर्जी अस्पताल से दिल्ली AIIM S में भर्ती किए गए जगद्गुरु रामभद्राचार्य, आज हो सकती है उनकी हार्ट सर्जरी

उत्तराखंड की राजधानी देहरादून के सिनर्जी अस्पताल में उपचार करा रहे तुलसी पीठ के संस्थापक स्वामी रामभद्राचार्य को बुधवार रात दिल्ली एम्स में भर्ती कराया गया। उन्हें एम्स के कार्डियोलॉजी विभाग में भर्ती किया गया है, जहां उनका इलाज कार्डियोलॉजी विभाग के प्रोफेसर अंबुज राय और कार्डियोथोरेसिक साइंस के डॉक्टर शिव चौधरी की निगरानी में चल रहा है। ज्ञात हो कि इससे पहले साल 2017 में भी स्वामी रामभद्राचार्य की दिल्ली एम्स में ही बाईपास सर्जरी हो चुकी है। तब डॉक्टर शिव चौधरी ने ही उनकी सर्जरी की थी। वह फॉलोअप के लिए एम्स आते रहे हैं।

प्रदर्शनकारियों ने पंजाब के टोल फ्री कराए, रेल भी रोकेंगे

केंद्र ने किसानों के हित में किए काम गिनाए, आंदोलन पर सवाल, चंडीगढ़ में मीटिंग

पंजाब के किसानों के दिल्ली कूच का आज (15 फरवरी) तीसरा दिन है। फसलों के लिए **MSP** की गारंटी समेत बाकी मांगें पूरी कराने के लिए वह हरियाणा के शंभू बॉर्डर पर डटे हुए हैं। यहां हरियाणा पुलिस ने 7 लेयर की बैरिकेडिंग और आंसू गैस के गोले छोड़कर 3 दिन से किसानों को रोका हुआ है। किसानों ने आज पंजाब के 6 जिलों में 12 बजे से 4 बजे तक रेल रोकने का ऐलान किया है।

चुनावी बॉन्ड को असंवैधानिक बताकर सुप्रीम कोर्ट ने लगाई रोक, कहा-

वोटर्स को फंडिंग के बारे में जानने का हक

सुप्रीम कोर्ट ने इलेक्टोरल बॉन्ड पर फैसला सुना दिया है। कोर्ट ने चुनाव बॉन्ड को असंवैधानिक करार दिया है। चुनावी साल में सरकार को यह बड़ा झटका लगा है। कोर्ट ने कहा कि है कि जनता को सूचना का अधिकार है। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया साल 2023 के अप्रैल महीने से लेकर अब तक की सारी जानकारियां चुनाव आयोग को दे और आयोग ये जानकारी कोर्ट को दे।

दोनों फैसले सर्वसम्मत

सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश डीवी चंद्रचूड़ ने कहा कि इस मामले में सुनवाई कर रहे सभी जजों ने सर्वसम्मति से अपना फैसला सुनाया है। केंद्र सरकार की चुनावी बॉन्ड योजना की कानूनी वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ का कहना है कि दो अलग-अलग फैसले हैं - एक उनके द्वारा लिखा गया और दूसरा न्यायमूर्ति संजीव खन्ना द्वारा और दोनों फैसले सर्वसम्मत हैं। फैसला सुनाते हुए सीजेआई ने कहा कि चुनावी बॉन्ड सूचना के अधिकार का उल्लंघन है। सरकार से पूछना जनता का कर्तव्य है। इस फैसले पर जजों की राय है।

चुनावी बॉन्ड को रद्द करना होगाः सुप्रीम कोर्ट

कोर्ट ने आगे कहा, चुनावी बॉन्ड योजना, अनुच्छेद 19(1)(ए) का उल्लंघन है। कोर्ट ने इसे असंवैधानिक माना है। सुप्रीम कोर्ट ने चुनावी बॉन्ड योजना को रद्द कर दिया। सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि चुनावी बॉन्ड योजना को असंवैधानिक करार देते हुए इसे रद्द करना होगा।

सीजेआई ने क्या कुछ कहा?

सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि चुनावी बॉन्ड के माध्यम से कॉर्पोरेट योगदानकर्ताओं के बारे में जानकारी का खुलासा किया जाना चाहिए क्योंकि कंपनियों द्वारा दान पूरी तरह से बदले के उद्देश्य से है। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ का कहना है कि दो अलग-अलग फैसले हैं एक उनके द्वारा लिखा गया और दूसरा न्यायमूर्ति संजीव खन्ना द्वारा और दोनों फैसले सर्वसम्मत हैं। सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि राजनीतिक दल चुनावी प्रक्रिया में प्रासंगिक इकाइयां हैं और चुनावी विकल्पों के लिए राजनीतिक दलों की फंडिंग के बारे में जानकारी आवश्यक है। सीजेआई ने स्टेट बैंक ऑफ इंडिया को तीन हफ्ते में सारी जानकारी देनी होगी। कोर्ट ने कहा- काले धन को रोकने के लिए दूसरे रास्ते भी हैं। सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया कि बैंक तत्काल चुनावी बांड जारी करना बंद कर दें। ...तो इसलिए मैंने याचिका दायर की- जया ठाकुर चुनावी बॉन्ड योजना की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर याचिकाकर्ता जया ठाकुर ने कहा, अदालत ने कहा कि राजनीतिक पार्टियों को कितना पैसा और कौन लोग देते हैं इसका खुलासा होना चाहिए। 2018 में जब यह चुनावी बॉन्ड योजना प्रस्तावित की गई थी तो इस योजना में कहा गया था कि आप बैंक से बॉन्ड खरीद सकते हैं और पैसा पार्टी को दे सकते हैं जो आप देना चाहते हैं लेकिन आपका नाम उजागर नहीं किया जाएगा, जो कि सूचना के अधिकार के खिलाफ है। इन जानकारियों का खुलासा किया जाना चाहिए। इसलिए मैंने सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की जिसमें मैंने कहा कि यह पारदर्शी होना चाहिए और उन्हें नाम बताना चाहिए और राशि, जिसने पार्टी को राशि दान की।

सरकार ने कोर्य में क्या दी दलील?

केंद्र सरकार ने इस योजना का बचाव करते हुए कहा कि धन का उपयोग उचित बैंकिंग चैनलों के माध्यम से राजनीतिक वित्तपोषण के लिए किया जा रहा है। सरकार ने आगे तर्क दिया कि दानदाताओं की पहचान गोपनीय रखना जरूरी है, ताकि उन्हें राजनीतिक दलों से किसी प्रतिशोध का सामना न करना पड़े।

नए मंत्रियों को आवंटित बंगले नहीं हुए खाली, अब सरकार ने बंगला नंबर बदले, पूर्व मंत्रियों को भी आवंटन

भोपाल। राज्य सरकार ने मंत्रियों को बंगला आवंटित होने के बावजूद खाली नहीं होने पर अब एरिया और बंगला नंबर में संशोधन किया है। इस संबंध में गृह विभाग ने आदेश जारी किए। इससे पहले सरकार ने मंत्रियों को रिक्त होने की प्रत्याशा में बंगला आवंटित किया था। यह मंत्री विधायक विश्राम गृह और निजी आवास में रहे थे। अब बंगला आवंटित करने के लिए गठित मंत्रियों की समिति की रिपोर्ट पर सरकार की तरफ से नए सिरे से मंत्रियों को बंगला आवंटित किया गया है। नई सूची में मंत्री विजय शाह को बी-2 श्यामला हिल्स में, उदय प्रताप सिंह को बी—28, 74 बंगला, निर्मला भूरिया को बी—27,74 बंगला, चैतन्य काश्यप को बी-8, सिविल लाइन, गौतम टेटवाल को बी-21, चार इमली, लखन पटेल को बी -17, 74 बंगला, नारायण सिंह कुशवाह को बी-20, चार इमली, नरेंद्र शिवाजी पटेल को बी-2, काशयाना बंगला, प्रतिमा बागरी डी-4, 74 बंगला, राधा सिंह बी-30, 74 बंगला, दिलीप अहिरवार सी-14, शिवाजी नगर भोपाल में आवंटित किया गया है। इसके अलावा विधायक उषा ठाकुर, अजय विश्नोई, ओमप्रकाश सखलेचा को भी नए आवास आवंटित किए गए हैं।

क्या देश में खत्म होगा फांसी का सिस्टम?

किन देशों ने बदल दिया ये कड़ा कानून?

नई दिल्ली। देश में 561 कैदी ऐसे हैं, जिन्हें निचली अदालतों ने मौत की सजा सुनाई है. 2023 में 120 दोषियों को मृत्युदंड मिला. खास बात ये है कि सुप्रीम कोर्ट से किसी भी दोषी को मौत की सजा नहीं मिली है. मृत्युदंड यानी मौत की सजा. हत्या, बलात्कार या आतंकवाद जैसे किसी जघन्य अपराध के लिए इंसान को मौत की सजा देना एक कानूनी व्यवस्था है. 2023 में निचली अदालतों की ओर से दी गई मौत की सजाओं में 28 फीसदी की कमी आई है. 2023 में निचली अदालतों (ट्रायल कोर्ट) ने कुल 120 दोषियों को मौत की सजा दी. जबकि इससे पिछले साल 167 कैदियों को मृत्युदंड दिया गया था. खास बात ये है कि अपीलीय अदालतों की ओर से मौत की सजा को बरकरार रखने के फैसले में काफी कमी आई है. सुप्रीम कोर्ट ने 2023 में किसी व्यक्ति की भी मौत की सजा को बरकार नहीं रखा. कर्नाटक हाईकोर्ट ने सिर्फ एक हत्या के मामले में मौत की सजा बरकरार रखी. हाईकोर्ट में ऐसे फांसी की सजा के मामलों को निपटाने की रफ्तार 15 फीसदी घटी है. दिल्ली की नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी ने प्रोजेक्ट 39 नाम से अपनी आठवीं रिपोर्ट जारी की है. 2016 से हर साल मौत की सजा पाने वाले कैदियों की रिपोर्ट जारी की जा रही है. इसके अनुसार,

दिसंबर 2023 के अंत तक कुल 561 कैदियों को मृत्युदंड दिया गया. ये आंकड़ा 2016 के मुकाबले 45 फीसदी ज्यादा है.

सुप्रीम कोर्ट ने किसी की सजा नहीं रखी बरकरार

2023 में ट्रायल कोर्ट की ओर दी गई मौत की सजा के खिलाफ जब सुप्रीम कोर्ट में अपील की गई तो पाया गया कि पुलिस जांच में खामियां थी और सबूतों का अभाव था. इस कारण कई आरोपियों को बरी कर दिया गया या उनकी सजा कम कर दी गई. 87त्न मौत की सजा सुनाए जाने से पहले आरोपी की पृष्ठभूमि या परिस्थितियों को समझे बिना दी गई. सुप्रीम कोर्ट ने फैसला देते समय ये भी देखा कि ये लोग जेल में कैसे रहे और उनकी मानसिक परिस्थितियां कैसी हैं. केरल और तेलंगाना हाईकोर्ट ने भी अब ऐसे 13 मामलों में इसी तरह की रिपोर्ट मांगी है. 2023 सुप्रीम कोर्ट ने 5 मामलों में छह कैदियों को रिहा कर दिया और दो कैदियों से जुड़े दो मामलों को ट्रायल कोर्ट और हाईकोर्ट में वापस भेज दिया. इन सभी फैसलों में सुप्रीम कोर्ट ने पुलिस जांच और ट्रायल में चूक की आलोचना की. एक मामले में सुप्रीम कोर्ट ने ये भी पाया कि नारायण चेतनराम चौधरी अपराध के समय नाबालिग थे, जबकि उन्हें 28 साल जेल में रहना पड़ा, जिसमें से 25 साल उन्होंने फांसी की सजा मिलने के बाद बिताए. इसी तरह हाईकोर्ट ने 36 कैदियों को सभी आरोपों से मुक्त कर दिया और 5 कैदियों से जुड़े तीन मामलों को ट्रायल कोर्ट को वापस भेज दिया. ऐसा इसलिए किया गया, क्योंकि फोरेंसिक रिपोर्ट की जिरह में गंभीर चूक हुई थी और सजा सुनाने की प्रक्रिया भी लापरवाही से की गई थी. 2023 में हाईकोर्ट ने 80 कैदियों से जुड़े 57 मृत्युदंड के मामले निपटाए थे, जबकि 2022 में 101 कैदियों से जुड़े 68 मामलों का निपटारा किया गया. 2023 के आखिर तक 488 कैदियों से जुड़े 303 मामले 23 हाईकोर्ट के समक्ष लंबित थे. दुर्भाग्य से जितेंद्र उर्फ पप्पू शिंदे ने 9 सितंबर 2023 को महाराष्ट्र के यरवदा जेल में आत्महत्या कर ली. जितेंद्र को एक नाबालिग से बलात्कार और हत्या मामले में नवंबर 2017 में दोषी ठहराया गया था और उसे फांसी की सजा सुनाई गई थी. उसने फैसले के खिलाफ बॉम्बे हाई कोर्ट में अपील कर रखी थी. जितेंद्र सात साल से जेल में था, जिसमें से छह साल उसने फांसी की सजा के खिलाफ अपीलीय फैसले के इंतजार में बिताए. सितंबर 2022 में सुप्रीम कोर्ट के तीन जजों की बेंच ने फांसी की सजा से जुड़े कानून की समीक्षा और उसमें कमियों को दूर करने के लिए संविधान पीठ का गठन किया था. दिसंबर 2023 में सुप्रीम कोर्ट ने संबंधित पक्षों से अपना पक्ष रखने के लिए कहा है. संभावना है कि साल 2024 में इस पर सुनवाई हो सकती है. वहीं मार्च 2023 में सुप्रीम कोर्ट ने फांसी देने के तरीके की संवैधानिकता को चुनौती देने वाली एक कैदी की याचिका पर विचार किया. कोर्ट ने सरकार को निर्देश दिया कि एक विशेषज्ञ समिति बनाकर फांसी के दूसरे विकल्प और अधिक मानवीय तरीकों की जांच करें जो संविधान के अनुरूप हों।

सावधान जाहिर सूचना

ग्राम गोकन्या हल्का शिवनगर रा.नि.मं. सिमरोल तहसील महू जिला इन्दोर म.प्र खसरा न. 72 वा अन्य खसरो कृषि भूमि के सम्बन्ध मे।

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम गोकन्या हल्का शिवनगर रा.नि.मं. सिमरोल तहसील महू जिला इन्दोर म.प्र मे स्थित कृषि भूमि विजय पिता राम भरोसे तिवारी से छल कर फरेब से सोची समझी चाल चल कर जिसका खसरा नंबर 72 वा अन्य खसरो को लिख कर 8 विक्रय पत्रो के लिए कूटरचित भाषा लिख कर दस्तावेज तयार कर वा फर्जी चेको को दे कर जालसाजी और 420 से विक्रय पत्रों का पंजीयन करवाया गया है इन सभी के नाम इस प्रकार है सुमित प्रकाश पाटनी पिता मणिक चन्द पाटनी, अरुणा पाटनी पति सुमित प्रकाश पाटनी,अनिल कुमार पंवार पिता मोहन सिंह पंवार, राहुल जैन पिता राकेश जैन, आनंद कसेरा पिता लक्ष्मणदास कसेरा राकेश जैन पिता स्व.नवीन चन्द जैन,पार्वती जैन पति बक्षीराम जैन, पवन जैन पिता बक्षीराम जैन इन सभी के खिलाफ पुलिस में जांच चल रही है कोर्ट में केस पेंडिंग है अत- कृषि भूमि खसरा नंबर 72 वा अन्य खसरो का सौदा किया गया था जिसका भुगतान राशि चेको के माध्यम से की गई थी पर चैक अनादरण होने से सौदा 2018 में निरस्त किया जा चुका है जिसकी सूचना पेपर विग्यप्ति के माध्यम से पहले ही सूचना दी जा चुकी है अत- इन सभी विक्रय पत्रो के संदर्भ मे किसी भी व्यक्ति, संस्था या बैंक आदि से कर्ज हेतू प्राप्त करता है या इन रजिस्ट्री के माध्यम से विक्रये करता है तो इस की जवाब देयी किसान भूमि मालिक की नही होगी
अत : होने पर पुलिस कार्रवाई की जाएगी।

सिंगल कॉलम

सोना तस्करी में एयर लाइंस के अधिकारी-कर्मचारियों की भूमिका जांच रही पुलिस

सोना तस्करी में मास्टर माइंड को पकड़ने दिल्ली गई टीम खाली हाथ लौट आई। जिन दो आरोपितों को पकड़ा वो भी जेल चले गए। पुलिस अब एयर लाइंस कंपनी के कर्मचारी-अधिकारियों की भूमिका जांच रही है। आरोपितों ने एयरपोर्ट से फ्लाइट तक सोना कैसे पहुंचा, यह बताया है।डीसीपी जोन-1 आदित्य मिश्रा के मुताबिक एरोड्रम पुलिस ने इंदौर विमानतल से आरोपित मोहम्मद उमर पुत्र मोहम्मद साबिर खान और जाकिर हुसैन अनवर अली निवासी अबुल फजल एन्क्लेव जामिया नगर दिल्ली को गिरफ्तार किया था। जाकिर से पुलिस को अनिकेत शर्मा और आमिर खान की आइडी मिली। मो. उमर से नदीम के नाम की जाली आइडी मिली। दोनों सोना तस्करी में शामिल थे। फर्जी आइडी से बैठा फ्लाइट में जाकिर दिल्ली में एसी सुधारने का काम करता था। उमर टैक्सी चलाता था। इसी दौरान सोना तस्कर फखरुद्दीन उर्फ फखरू से मुलाकात हुई। तीनों दिल्ली के तुर्कमान इलाके में मिलते थे। फखरु ने कहा था कि सोना एक शहर से दूसरे शहर भिजवाना है। उसने जाली आइडी दी और कहा कि फ्लाइट में बैठ जाना है। सीट के नीचे सोना का पैकेट मिल जाएगा। चेन्नई से इंदौर होकर दिल्ली जाना है। दिल्ली में उसका आदमी पार्सल ले लेगा। आरोपितों को 15 हजार रुपये देना तय किया था। दोनों फखरु के निर्देशानुसार चेन्नई पहुंचे, लेकिन उस वक्त सोना नहीं मिला। उन्हें वापस दिल्ली बुलाया लेकिन उसके पहले डीआरआइ की इंटेलिजेंस यूनिट ने पकड़ लिया। टीआइ राजेश साहू के मुताबिक टीम दोनों आरोपितों को लेकर तुर्कमान क्षेत्र गई लेकिन फखरु नहीं मिला। पुलिस अब फखरु के फोन नंबर के आधार पर जांच कर रही है। रिमांड समाप्त होने पर पुलिस ने बुधवार दोपहर दोनों आरोपितों को कोर्ट पेश कर जेल भेज दिया।

थाने से रिपोर्ट लिखवा कर निकला ही युवक, गुंडे ने गोली मार दी

इंदौर। मल्हारगंज थाना क्षेत्र में गुंडे ने युवक को गोली मार दी। घायल युवक कुछ देर पूर्व रिपोर्ट लिखवा कर निकला था। पुलिस ने दो आरोपितों को गिरफ्तार कर जानलेवा हमले का प्रकरण दर्ज किया है। डीसीपी जोन-1 आदित्य मिश्रा के मुताबिक लक्ष्मीपुरी निवासी हेमंत बैस और उत्तम बैस का कालोनी में रहने वाले सुमित व दीपक से विवाद हो गया। दोनों पक्षों में मारपीट हुई। सूचना पर डायल-100 की टीम पहुंची और पुलिसकर्मी दोनों पक्षों को थाने लेकर आ गए। थोड़ी देर बाद दीपक व सुमित का दोस्त करण केवट थाने पहुंचा और विवाद करने लगा। उसने हेमंत व उत्तम को धमकाया। रात में हेमंत एफआइआर दर्ज करवा कर घर जाने लगा तो आरोपित करण ने टाटा स्टील चौराहा पर रोक कर गोली मार दी। गोली हेमंत के दाएं हाथ में लगी है। पुलिस ने रात में करण व उसके साथ आए साहिल पर प्राणघातक हमले का केस दर्ज कर दोनों को गिरफ्तार कर लिया।

मूसाखेड़ी क्षेत्र में घर में मिले 20 पेटी अवैध पटाखे, प्रकरण दर्ज

इंदौर। मूसाखेड़ी क्षेत्र में महिला द्वारा घर में अवैध रूप से विक्रय के लिए पटाखे जमा किए गए थे। प्रशासन और पुलिस की टीम ने दबिश देकर पटाखों को जब्त किया। सभी पटाखे आजाद नगर थाने में जब्ती में रखे गए हैं। वहीं पटाखा जमा करने वालों पर प्रकरण पंजीबद्ध किया जा रहा है।

आजाद नगर थाना क्षेत्र के मूसाखेड़ी स्थित तुलसीराम नगर में कौशल्या पति अशोक मालवीय के घर पर जमा पटाखों को जब्त किया गया। बिचौली हप्सी नायब तहसीलदार देवेंद्र कछवा का कहना है कि अवैध भंडारण को लेकर कौशल्याबाई से पूछताछ की गई, तो उन्होंने बताया कि 22 जनवरी को पटाखे विक्रय के लिए लाए गए थे। इसके बाद से ही पटाखे घर में रखे हुए हैं। कछवा ने बताया कि घर में पटाखा रखाने के लिए सुरक्षा मानकों का पालन भी नहीं किया गया। इसलिए पटाखों की जब्ती कर आजाद नगर थाने में रखा गया है। आरोपित पर प्रकरण पंजीबद्ध कराया जा रहा है। बिचौली हप्सी एसडीएम कल्याणी पांडे ने बताया कि कौशल्याबाई के घर में बीस पेटी पटाखा जब्त किए हैं। प्रतिवेदन बनाकर आरोपित का लाइसेंस रिन्यू नहीं करने का आवेदन एडीएम को दिया जाएगा।

इंदौर का चिड़ियाघर अब बन गया ब्रीडिंग सेंटर, दर्शक संख्या भी तेजी से बढ़ रही

सिटी चीफ इन्दौर

अपने शहर के सबसे शानदार स्थलों में से एक चिड़ियाघर अब केवल चिड़ियाघर ही नहीं रहा है, बल्कि यह यहां रह रहे वन्य प्राणियों का ब्रीडिंग सेंटर भी बन गया है। बीते छह माह में ही यहां शेर के पांच शावक जन्मे हैं, वहीं बाघ के तीन शावकों ने भी यहीं जन्म लिया है। यहां पाकेट मंकी के जुड़वा बच्चे भी जन्मे हैं। इस वजह से अब यहां आने वाले लोगों की संख्या भी लगातार बढ़ रही है।बीते कुछ महीनों में ही दर्शकों की औसत संख्या में यहां 15 से 20 फीसद तक का उछाल आया है। इसका एक बड़ा कारण चिड़ियाघर में एनिमल एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत लाए गए 80 से अधिक प्रजातियों के 245 विदेशी पक्षी व अन्य प्राणी हैं। हाल ही में यहां लोमड़ी का जोड़ा और अफ्रीकन जेब्रा को भी लाया गया है। इस तरह चिड़ियाघर में अब वन्य प्राणियों की कुल संख्या भी बढ़कर 1300 के करीब हो गई है। चिड़ियाघर के नए वन्य प्राणियों में काटन टाप मंकी, बाल पाइथन, राइनो इगुआना, रेड लोरी, रैनबो लोरी को भी लाया गया है। इन प्राणियों की प्रजातियां दक्षिण अफ्रीका, आस्ट्रेलिया, इंडोनेशिया, ब्राजील आदि देशों में पाई जाती हैं। इनके अतिरिक्त इंडोनेशिया, आस्ट्रेलिया में पाई जाने वाली छोटी चिड़िया के साथ चार तोते आदि भी यहां हैं। यहां पाकेट मंकी भी आकर्षण के केंद्र हैं। यह बंदर ब्राजील और अर्जेंटीना में पाए जाते हैं। इनका आकार इतना छोटा होता है कि ये शर्ट की जेब में समा जाते हैं, इसीलिए इन्हें पाकेट मंकी कहा जाता है। आकार में ये 18 सेंटीमीटर तक और वजन 250 ग्राम तक के होते हैं। एक्सचेंज प्रोग्राम में तीन खेप में कुल 245 से अधिक विदेशी पक्षियों को लाया गया है। नए जानवरों के आने से अब चिड़ियाघर में विविध प्रजातियां देखने को मिल रही हैं। मध्य भारत में अकेला जू, जहां है अफ्रीकन जेब्रा इंदौर का चिड़ियाघर प्रदेश का एकमात्र ऐसा स्थान है, जहां अफ्रीकन जेब्रा को देखा जा सकता है। जेब्रा को लेकर भी आने वाले दर्शकों की उत्सुकता देखते ही बनती है। गुजरात से इस जोड़े को लाने के लिए लंबी प्रक्रिया चली। कोरोना संक्रमण के कारण लंबे समय तक वन्य जीवों के स्थानांतरण पर रोक लगी थी। इसके चलते लंबे समय तक वन्य प्राणी नहीं आ सके थे। सेंट्रल जू अथारिटी से हरी झंडी मिलने के बाद वर्ष 2023 के आखिरी छह माह में इस कार्य को गति मिली। चिड़ियाघर में शेर, बाघ, हिरण, चीतल, घड़ियाल की संख्या खासी बढ़ गई थी। इसके चलते इन्हें दूसरे चिड़ियाघर भेजना आवश्यक हो गया था।

शासकीय मैदानों को आयोजनों के लिए देने के मुद्दे पर दायर हुई जनहित याचिका

सिटी चीफ इन्दौर

शासकीय मैदानों को आयोजनों के लिए देने के मुद्दे को लेकर मप्र हाई कोर्ट की इंदौर खंडपीठ के समक्ष प्रस्तुत जनहित याचिका में गुरुवार को पहली सुनवाई होगी। याचिका में कहा है कि याचिकाकर्ता शासकीय मैदानों को आयोजनों के लिए देने के विरोध में नहीं है, लेकिन वह सिर्फ इतना चाहता है कि इन मैदानों को आयोजन के लिए देने से पहले इस बात की जांच की जाए कि आयोजक के पास आयोजन का लायसेंस है या नहीं। उसने आयोजन के लिए पर्याप्त सुरक्षा के इंतजाम किए हैं या नहीं, आयोजन स्थल पर किसी तरह की गड़बड़ी होने पर आमजन के लिए मेडिकल व्यवस्था का इंतजाम किया गया है या नहीं।हाई कोर्ट में यह जनहित याचिका हरभजनसिंह नामक याचिकाकर्ता ने एडवोकेट विनोद द्विवेदी के माध्यम से दायर की है। उन्होंने बताया कि अक्सर देखने में आता है कि लालबाग पैलेस, दशहरा मैदान, चिमनबाग मैदान जैसे मैदानों पर बड़े-बड़े आयोजन होते हैं। जिला प्रशासन इन आयोजनों के लिए रियायती दरों पर मैदान उपलब्ध करवा देता है, लेकिन इस बात की जांच ही नहीं करता कि आयोजन के दौरान व्यवस्थाएं कैसी रहेंगी। आयोजन में मेडिकल टीम भी नहीं होती एडवोकेट द्विवेदी ने बताया कि कुछ दिन पहले ही एक आयोजन में एक किशोरी की झूले से उतरते ही तबीयत बिगड़ी और मौत हो गई। आयोजक द्वारा कहा जा रहा है कि किशोरी को मिर्गी का दौरा पड़ गया था। अगर इस बात तो मान भी लें तो भी अगर मौके पर ही मेडिकल टीम मौजूद होती तो किशोरी की जान बचाई जा सकती थी। इसी तरह कुछ दिन पहले करंट लगने से एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। याचिका में गुहार लगाई गई है कि आयोजनों के लिए शासकीय अनुमति देने से पहले अलग-अलग बिंदुओं पर जांच की जाए, इसके बाद ही आयोजन की अनुमति दी जाए। याचिका पर गुरुवार को हाई कोर्ट की युगल पीठ के समक्ष सुनवाई होना है।

अब पंजीयन विभाग में पुरानी मैन्युअल रजिस्ट्रियां भी दिखेंगी आनलाइन

सिटी चीफ इन्दौर

पंजीयन विभाग में जल्द ही साल 2015 से पहले की सभी रजिस्ट्रियां आनलाइन दिखाई देंगी। विभाग द्वारा सभी मैन्युअल रजिस्ट्रियों को आनलाइन करने का कार्य किया जा रहा है। अब तक इंदौर जिले की 28 हजार से अधिक मैन्युअल रजिस्ट्रियों का डिजिटाइजेशन किया जा चुका है। जिले में साल 2006-07 से 2013-14 तक के साढ़े पांच लाख के करीब दस्तावेजों को आनलाइन किया जाएगा। इसके बाद प्रापर्टी के सर्च और चेन दस्तावेज नाममात्र के शुल्क पर आनलाइन ही तुरंत उपलब्ध हो सकेंगे।आमजन को प्रापर्टी के सर्च और चेन दस्तावेज के लिए विभाग के चक्कर लगाने पड़ते थे। आवेदन के बाद भी दस्तावेज की कापी मिलने में एक सप्ताह से अधिक का समय लगता था। इन परेशानियों से बचाने के लिए पंजीयन विभाग द्वारा साल 2006 से 2015 के बीच के पांच लाख 47 हजार 828 मैन्युअल दस्तावेज को आनलाइन करने में जुटा है। 2013-14 में 78024 रजिस्ट्रियां हुई थीं। इनमें से 28565 रजिस्ट्रियों को आनलाइन किया जा चुका है। गौरतलब है कि 2015 से पंजीयन विभाग में सभी दस्तावेजों का डिजिटाइजेशन पंजीयन शुरू हो गया था। इससे पहले के सभी मैन्युअल दस्तावेजों को अब आनलाइन किया जाना है। स्कैनर से साफ्टवेयर में चढ़ा रहे पुरानी मैन्युअल रजिस्ट्रियों को आनलाइन करने का काम निजी एजेंसी को दिया गया है। एजेंसी के 10 से अधिक कर्मचारी दस्तावेजों को आनलाइन करने में जुटे हैं। हाईटेक स्कैनर की सहायता से दस्तावेज के सभी पेज को साफ्टवेयर पर चढ़ाया जा रहा है। गड़बड़ी को रोकने के लिए पहले दस्तावेजों के पेजों की गणना की जाती है। स्कैन करने के बाद फिर दस्तावेज के पेज का मिलान किया जाता है। सब रजिस्ट्रार रैंडमली कर रहे जांच सब रजिस्ट्रार चंचल जैन का कहना है कि साफ्टवेयर पर आनलाइन हो चुके दस्तावेजों की जांच सब रजिस्ट्रार कर रहे हैं। प्रदेशभर के सब रजिस्ट्रारों को रैंडमली दस्तावेज रिपोर्ट भेजी जाती है। सात दिन के अंदर इनकी जांच कर अफ्रवल देना होता है। यदि किसी दस्तावेज में कोई परेशानी है तो फाइल वापस स्कैन के लिए भेज दी जाती है।

नानी बाई रो मायरो ऐश्वर्य प्रदान करता है : आचार्य पं. पुष्पानंदन महाराज

सिटी चीफ इन्दौर

शहर के महेश नगर धर्मशाला में तीन दिवसीय संगीतमय नानी बाई रो मायरो की शुरुआत शोभायात्रा के साथ हुई। इसमें भजनों पर मातृशक्ति खूब थिरकी, राधे-राधे के जयकारे गूंज उठे। पहले दिन आचार्य पं. पुष्पानंदन महाराज के मुखारविंद से कथा का श्रवण सैंकड़ों श्रद्धालुओं ने किया। स्वामी उत्तम स्वामी महाराज के सानिध्य में कथा शुरू हुई।शोभायात्रा महेश नगर चौराहा से ठाकुरजी के पूजन-अर्चन के साथ शुरू हुई। इसमें मातृशक्ति ठाकुरजी के भजनों पर नाचते गाते थिरकते हुए चली। ठाकुरजी को चांदी के सिंहासन पर विराजमान करके आचार्य पं. पुष्पानंदन महाराज पवन तिवारी लेकर चल रहे थे। मार्ग राधे-राधे के जयकारों से गूंज उठा, जगह-जगह फूलों की पंखुड़ियां बरसाकर स्वागत किया। यात्रा महेश नगर चौराहे से होते हुए विभिन्न मार्गों से सीधे महेश नगर धर्मशाला पहुंची। सैंकड़ों भक्त पारंपरिक परिधान मे सम्मिलित हुए जिसमें महिलाएं पीली साड़ी में और पुरुष पीले कुर्ते में सम्मिलित हुए। कथा स्थल पर ठाकुरजी को विराजमान कर निर्मला सुशील गर्ग, तनुजा कमलेश खंडेलवाल ने व्यासपीठ का पूजन अर्चन कर कथा की शुरुआत की। बुजुर्गों का कभी तिरस्कार न करें आचार्य पं. पुष्पानंदन महाराज पवन तिवारी ने कहा कि मायरो ऐश्वर्य प्रदान करता है। जीवन में बुजुर्गों का कभी तिरस्कार नहीं करना चाहिए। उनका हमेशा आदर मान सम्मान करना चाहिए। जिंदगी सही तरीके से जीने के लिए बुजुर्गों का सहारा जरूरी है। चाहत की दुनिया से व्यक्ति को परे नहीं होना चाहिए। भगवान के द्वार से कभी कोई खाली नहीं जाता है, उसकी हर मनोकामना जरूर पूरी होती है। जीवन में आनंदित होकर कार्य करें तो जीवन में आनंद ही आनंद होगा। धर्म की राह पर चलने वाले व्यक्ति को भगवान कभी नहीं बदलता है। नानी के मायरे को कथा भारतीय संयुक्त परिवार की परंपराओं का श्रेष्ठ प्रमाण है। जीवन अच्छी सोच से जीना चाहिए, प्रेम भाव हमेशा रखें। मायरो 16 फरवरी तक प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से शाम 6 बजे तक होगा।

चार वर्ष पहले ही तय हो गया था कि नया परिषद भवन ताई के नाम से पहचाना जाएगा

सिटी चीफ इन्दौर

नगर निगम के नए अटल बिहारी वाजपेई परिषद सभागृह के नामकरण को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। नगर निगम परिषद के चार वर्ष पहले हुए सम्मेलन में इस सभागृह का नामकरण लोकसभा की पूर्व अध्यक्ष सुमित्रा महाजन के नाम से करने का प्रस्ताव सर्वसहमति से स्वीकृत हो चुका है। नगर निगम खुद अपनी ही परिषद में स्वीकृत प्रस्ताव को भूल गया। विपक्ष कांग्रेस इसे महिलाओं का अपमान बता रही है। उसका कहना है कि सत्तारूढ़ भाजपा अपनी ही नेत्री को भूल गया, जिन्होंने आठ बार लोकसभा में इंदौर का प्रतिनिधित्व किया और जो लोकसभा अध्यक्ष जैसे गरिमामय पद पर पहुंचीं। गुरुवार को होने वाले परिषद सम्मेलन में कांग्रेस इस मुद्दे पर सत्तारूढ़ दल को घेरने की तैयारी में है नगर निगम परिषद सभागृह जिस भवन में है उसका निर्माण करीब नौ वर्ष से चल रहा है। काम अब भी अधूरा है। इस आधे अधूरे तैयार भवन की चौथी मंजिल पर सभागृह तैयार कर 15 फरवरी 2024 को नगर निगम परिषद सम्मेलन करने जा रहा है। नेता प्रतिपक्ष चिंटू चौकसे का कहना है कि सत्तारूढ़ दल ने परिषद सभागृह का नामकरण ताई के नाम से नहीं करके बता दिया है कि उसके मन में महिलाओं के प्रति कोई सम्मान नहीं है। गुरुवार को होने वाले सम्मेलन में सराफा चाट-चौपाटी को लेकर भी हंगामा होने की आशंका है। निगमायुक्त हर्षिका सिंह ने सराफा चाट-चौपाटी के संचालन को लेकर एक कमेटी गठित की थी। इसमें निगम के अधिकारियों के साथ-साथ महापौर परिषद के दो सदस्यों को शामिल किया गया था। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने इस समिति को निरस्त कर दिया है। उनका कहना है कि इस तरह की समिति गठित करना निगमायुक्त का नहीं बल्कि महापौर के अधिकार क्षेत्र में आता है।

सिकुड़ा फर्नीचर क्लस्टर का दायरा, 450 के बजाय 50 एकड़ में बनेगा

सिटी चीफ इन्दौर

तीन साल से कागजों में अटके नए औद्योगिक क्षेत्र फर्नीचर क्लस्टर को जमीन पर उतरने में अब भी कम से कम सालभर लगेगा। इस बीच इसके स्वरूप में बदलाव हो चुका है। यह क्लस्टर अब सिकुड़कर सिर्फ 50 एकड़ में सिमट रहा है। पहले इस औद्योगिक क्षेत्र के लिए साढ़े चार सौ एकड़ की जमीन मांगी गई थी। सरकार इतनी जमीन नहीं दे सकी। इसके बाद क्लस्टर के लिए बनी उद्योगपतियों की समिति (एसपीवी) ने तमाम इच्छुक उद्योगपतियों को उनकी राशि भी लौटा दी हैं।छोटा बेटमा क्षेत्र में बनने वाले फर्नीचर क्लस्टर के नए लेआउट प्लान को मंजूरी के लिए एसपीवी ने फिर से शासन तक भेजा है। दरअसल, पहले इस क्लस्टर के लिए करीब सवा सौ उद्योग कतार में थे। इनमें से बाहर के तमाम बड़े नाम और कुछ विदेशी ब्रांड भी शामिल थे। हालांकि क्लस्टर के लिए तय जमीन पर वन विभाग की आपत्ति के बाद मामला ढाई साल तक झूलता रहा। कई उद्योग पैसा वापस मांगने लगे

इस बीच कई उद्योग ऐसे थे जो जमीन आवंटन के लिए एसपीवी के सदस्य बनकर पैसा जमा करवा चुके थे। वन विभाग की आपत्ति के बाद जमीन आवंटित नहीं हो सकी। सिर्फ 50 एकड़ जमीन ही शासन यानी उद्योग विभाग को मिली। ऐसे में नए सिरे से सिर्फ 50 एकड़ जमीन पर ही क्लस्टर बनाने की योजना बन चुकी है। इस बीच क्लस्टर में देरी होने के बाद कई उद्योग अपना पैसा वापस मांगने लगे।

एसपीवी ने इसके बाद स्थानीय 45 उद्योगों को छोड़कर सभी के रुपये लौटा दिए। एसपीवी के सचिव और फर्नीचर एसोसिएशन के पदाधिकारी हरीश नागर के अनुसार जमीन कम हो गई है इसलिए अब सिर्फ 50 एकड़ में ही क्लस्टर विकसित कर रहे हैं। वहां भी 45 से 50 उद्योगों को ही जमीन मिल सकेगी। ऐसे में छोटे स्थानीय उद्योगों को ही एसपीवी में रखा गया है। क्लस्टर की योजना में बदलाव कर दिया गया है। रोड बनाएगा एमपीआइडीसी इस बीच क्लस्टर के लिए चिह्नित 50 एकड़ जमीन पर पहुंचने के लिए रास्ता भी नहीं मिल रहा था। उसी क्षेत्र में एमपीआइडीसी नया औद्योगिक सेक्टर विकसित कर रहा है। फर्नीचर एसोसिएशन ने एमपीआइडीसी से बात की है। क्षेत्र में एमपीआइडीसी जो रोड बना रहा है, उसी से अब नया फर्नीचर क्लस्टर जुड़ेगा। इस बारे में एसोसिएशन एमपीआइडीसी से बात कर चुका है। फर्नीचर एसोसिएशन के पदाधिकारियों के अनुसार जब एमपीआइडीसी रोड निर्माण कर लेगा उसके बाद क्लस्टर में विकास शुरू हो सकेगा। उससे पहले रोड के अनुसार लेआउट बदलकर मंजूरी के लिए शासन के पास भेजा गया है।

89 बरस के हुए शायर बशीर बद्र कभी मुशायरों में लूट लेते थे महफिल

आज बेख्याली में बुदबुदाते हैं अपने शेर

सिटी चीफ भोपाल।
शायर बशीर बद्र गुरुवार को अपना 90वां जन्मदिन मना रहे हैं। उनका जन्म 15 फरवरी 1935 को फैजाबाद (उत्तर प्रदेश) में हुआ था, लेकिन पिछले 35 सालों से वह भोपाल के बाशिंदे हैं। मेहबूब शायर के नाम से मशहूर पद्मश्री सम्मान प्राप्त बशीर बद्र पिछले कुछ सालों से बीमार हैं। डिमेंशिया नामक बीमारी से पीड़ित होने के कारण अब उन्हें कुछ याद भी नहीं रहता। बस गुमसुम से घर पर पड़े रहते हैं। अब वह न कुछ लिख पाते हैं, न पढ़ पाते हैं। कभी-कभी उनकी याददाश्त आती है तो बेख्याली में अपने लिखे शेर गुनगुना लेते हैं। वह अपने परिवार के साथ रेहाना कालोनी (शहीद गेट के पास) निवासरत हैं। जीवन के इस पड़ाव में उनकी पत्नी और बेटा उनके साथ हैं।जुबां पर यूं ही चले आते हैं अल्फाज बशीर साहब की शरीक-ए-हयात (धर्मपत्नी) डा. राहत बद्र बताती हैं कि बद्र साहब की जुबां पर शायरी के अल्फाज यूं ही चले आते हैं। उनके जन्मदिन के मौके पर डा. राहत बद्र ने नवदुनिया से अपने पति की वो बातें साझा की, जो वे बेख्याली में इन दिनों उनसे कहते हैं। पिछले 12 सालों से डिमेंशिया बीमारी से जूझ रहे उर्दू के अजीम शायर अब किसी को नहीं पहचानते। हां, अभी उनके कुछ शेर जब उनके कानों में पहुंचते हैं तो वह बेचैन होकर दोहराने की कोशिश करते हैं। तलत अजीज ने घर आकर जाना था हालचाल राहत बद्र बताती हैं कि गत वर्ष मशहूर गजल गायक तलत अजीज घर पर आए थे। उन्होंने घर आकर गजलें सुनाई थी। बहुत खुश हुए थे। बेटा तैयब भी उनकी गजलें उन्हीं की तरन्नुम में गाकर सुनाता है, तो उन्हें बहुत अच्छा लगता है। नई पीढ़ी इनको पढ़कर शायरी कर रही है। नए शायर उनके दर्शन करने आते घर हैं। राहत बताती हैं कि उर्दू अकादमी, भोपाल के निदेशक पद रहते हुए 2012 में इन्हें भूलने की बीमारी का अहसास हुआ था। डाक्टर को दिखाया तो डिमेंशिया के लक्षण आ चुके थे, तभी से इलाज चल रहा है, लेकिन वक्त के साथ बीमारी बढ़ती गई। अब वह बहुत कमजोर हो गए हैं। जन्मदिन पर मिलने आते हैं चाहने वाले डा. राहत बद्र बताती हैं, आज भी वह शायरी करने की कोशिश करते हैं, कुछ अल्फाज कहते हैं- जैसे दरिया, पानी, आइना, लगता है जैसे कोई शेर बनाने की कोशिश कर रहे हों। बशीर साहब ने 60 साल मुशायरे पढ़ते हुए सफर किया है, तो उन्हें हर वक्त लगता है कि वह सफर में हैं। डा. बद्र ने बताया कि हम लोग उनका जन्मदिन हर साल सादगी से मनाते हैं। जरूरतमंदों को खाने का कच्चा सामान दान करते हैं। इस साल भी ऐसा ही करेंगे। हर साल उनके चाहने वाले घर आते हैं, उन्हें बधाई देने। जन्म दिन पर उनके मुरीद बड़ी संख्या में घर आते हैं। जो नहीं आ पाते, फोन पर बधाई देते हैं।

बिना अनुमति चल रही थी बेव सीरीज की शूटिंग

नगर निगम ने वसूला 10 हजार रुपये जुर्माना

सिटी चीफ भोपाल।
शहर के त्रिलंगा क्षेत्र में औरा माल के पास बुधवार को बेव सीरीज गुल्लक के चौथे सीजन की शूटिंग चल रही थी। लेकिन इसको लेकर नगर निगम से अनुमति नहीं ली गई थी। इसकी जानकारी जब संबंधित जोन के प्रभारी एएचओ रविंद्र यादव को लगी तो वह अमले के साथ मौके पर पहुंचे और इसके डायरेक्टर पर 10 हजार रुपये का जुर्माना लगाया। इधर नेक्सा शोरूम के कर्मचारियों द्वारा कचरा फैलाने पर तीन हजार रुपये का स्पाट फाइन भी वसूला गया।जोन प्रभारी एएचओ रविंद्र यादव ने बताया कि बेव सीरीज की शूटिंग के कारण औरा माल के पास ट्रैफिक जाम हो रहा था। इसकी शिकायत रहवासियों ने निगम कार्यालय में की थी। जब मौके पर गए तो देखा कि वेब सीरीज की शूटिंग चल रही थी। इसके लिए रूट भी डायवर्ट किया गया था। जब डायरेक्टर से अनुमति संबंधित दस्तावेज मांगे गए, तो उसने नोमान नामक व्यक्ति द्वारा अनुमति लेने की बात कही। लेकिन कोई दस्तावेज नहीं दिखा पाया। ऐसे में संबंधित डायरेक्टर के खिलाफ 10 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया। हालांकि बाद में बेव सीरीज के लिए निगम कार्यालय में आवदेन किया गया।

महाभारत धारावाहिक के कृष्ण नीतीश भारद्वाज ने आईएएस पत्नि की पुलिस से की शिकायत

अपनी जुड़वा बेटियों के लिए मांगी सुरक्षा

सिटी चीफ भोपाल।
महाभारत में भगवान कृष्ण का पात्र निभाने वाले अभिनेता और राजनेता नीतीश भारद्वाज ने अपनी जुड़वा बेटियों की सुरक्षा के लिए भोपाल पुलिस कमिश्नर हरिनारायणाचारी मिश्र से सहायता मांगी है। नीतीश भारद्वाज ने भोपाल पुलिस कमिश्नर को मेल से पत्र भेजकर अपनी पत्नी मध्य प्रदेश कैडर की आइएएस अधिकारी के विरुद्ध शिकायत की है।पुलिस कमिश्नर ने शिकायत मिलने की पुष्टि करते हुए बताया कि नीतीश भारद्वाज एवं उनकी पत्नी के बीच कुटुंब न्यायालय में मामला लंबित है। पुलिस कमिश्नर ने महिला एडिशनल डीसीपी को मामले की जांच सौंप दी है। पुलिस कमिश्नर ने शिकायत मिलने की पुष्टि करते हुए बताया कि नीतीश भारद्वाज एवं उनकी पत्नी के बीच कुटुंब न्यायालय में मामला लंबित है। पुलिस कमिश्नर ने महिला एडिशनल डीसीपी को मामले की जांच सौंप दी है। टूटने की कगार पर वैवाहिक जीवन शिकायती आवेदन में बताया गया है कि 2009 में मध्य प्रदेश कैडर की आइएएस अधिकारी स्मिता भारद्वाज के साथ उनका विवाह हुआ था। इसके बाद उनकी दो जुड़वा बेटियां हुईं थीं, जो अभी साढ़े ग्यारह वर्ष की हो चुकी हैं। पत्नी के अप्रिय व्यवहार एवं आचरण के कारण उनके समस्त प्रयासों के बावजूद वैवाहिक जीवन टूटने की कगार पर है। जिसकी कानूनी कार्रवाई योग्य न्यायालय में चल रही है। पत्नी वर्तमान में भोपाल में पदस्थ हैं एवं पिता को उनकी बेटियों से मिलने नहीं दिया जा रहा है। नीतीश भारद्वाज ने अपने पत्र में भोपाल पुलिस कमिश्नर से बेटियों को सुरक्षा उपलब्ध करवाने एवं अन्य कानूनी सहायता मांगी है। इस मामले में नीतीश भारद्वाज से बात करने की कोशिश की गई, लेकिन उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया।

पूर्व नेवी अधिकारी के साथ 68 लाख रुपये की साइबर ठगी, मादक पदार्थ की तस्करी के नाम पर डराया

सिटी चीफ भोपाल।
राजधानी के रसलाखेड़ी भानपुर के रहने वाले एक पूर्व नेवी अधिकारी मनोज भुरारिया साइबर जालसाजों के हाथों ठगी का शिकार हो गए, बदमाशों ने उनको पूरी तरह से फंसाने के लिए एमडीएमए नाम के मादक पदार्थ के पार्सल तस्करी में उनके आधार कार्ड के उपयोग की बात कहकर उनको डराया और उनसे आरटीजीएस के माध्यम से करीब 68 लाख रुपये जमा कर लिए हैं।आरोपितों ने उनको महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री नबाव मालिक के मनीलांड्रिंग मामले में नाम आने की भी धमकी दी थी।शिकायत पर साइबर क्राइम पुलिस ने एफआइआर दर्ज कर ली गई है।डीसीपी साइबर क्राइम श्रुतकीर्ति सोमवंशी ने बताया कि मनोज भुरारिया नेवी के पूर्व अधिकारी हैं, उनकी शिकायत पर अज्ञात आरोपितों पर धोखाधड़ी की धाराओं में एफआइआर दर्ज की है। आरोपितों ने उनको महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री नबाव मालिक के मनीलांड्रिंग मामले में नाम आने की भी धमकी दी थी।शिकायत पर साइबर क्राइम पुलिस ने एफआइआर दर्ज कर ली गई है।डीसीपी साइबर क्राइम श्रुतकीर्ति सोमवंशी ने बताया कि मनोज भुरारिया नेवी के पूर्व अधिकारी हैं, उनकी शिकायत पर अज्ञात आरोपितों पर धोखाधड़ी की धाराओं में एफआइआर दर्ज की है। उन्होंने बताया गया कि 25 जनवरी 2023 को मुझे एक अनजान नंबर से फोन आया। फोन करने वाले ने खुद को मुंबई की एक कंपनी कर्मचारी बताकर बात की और कहा आपके आधार आइडी से मुंबई से ताईवान भेजे जाने वाला एक पार्सल में दो सौ ग्राम एमडीएमए नाम का मादक पदार्थ पकड़ा है। जब उन्होंने ऐसा कोई पार्सल नहीं भेजने की बात कही तो आरोपितों ने उनका नाम महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री नबाव मालिक के मनीलांड्रिंग मामले में आने की बात भी कही ।बाद में ठगों ने नारकोटिक्स इंस्पेक्टर महाराष्ट्र के नाम से दूसरे व्यक्ति से बात कराई।वह उनको जेल भेजने की बात कर डराने लगा और उनको स्काइप ऐप डाउनलोड कर बात करने के लिए कहा। जब उन्होंने बात की तो उसने तीसरे व्यक्ति से बात कराई, जो अपने आपको आइपीएस अधिकारी बता रहा था। उसने उनको आधार कार्ड की एफआइआर कराने की धमकी दी। बाद में बदमाशों ने उनसे छह माह के बैंक खाते से लेनदेन की जानकारी लेकर उनसे बैंक खाते में जमा राशि का 49 प्रतिशत रकम जमा करने को गया और वह रकम उनको वापस कर दी जाएगी। वह इसमें फंस गए और उन्होंने 68 लाख रुपये उनको बताए तीन खातों में राशि जमा कर दी।उसके बाद जब आरोपितों से रकम वापसी के लिए फोन किए तो मोबाइल बंद हो गए।

गर्ल्स स्कूल के पास खड़े थे मनचले पुलिस ने लगाई फटकार

सिटी चीफ ग्वालियर
गर्ल्स कालेज, स्कूल और कोचिंग सेंटर के आसपास मनचलों को सबक सिखाने महिला पुलिस अधिकारी और महिला पुलिसकर्मी सड़क पर उतरीं। कंपू इलाके में चाय की गुमटियों पर मनचले खड़े दिखे, इन्हें महिला पुलिस अधिकारी ने फटकार लगाई तो दौड़ते नजर आए। इसके बाद कंपू के आसपास कोचिंग सेंटर के आसपास खड़े मनचलों को भी खदेड़ा। डीएसपी महिला सेल किरण अहिरवार ने बताया कि गर्ल्स स्कूल, कालेज और कोचिंग सेंटर के आसपास गुमटियों पर समूह में मनचले खड़े होते हैं। इनके द्वारा छात्राओं पर कमेंट्स किए जाते हैं, अब लगातार ऐसे स्थानों पर महिला पुलिसकर्मियों द्वारा पेट्रोलिंग की जा रही है। कंपू इलाके में केआरजी कालेज और पदमा स्कूल आसपास हैं। पूरे दिन यहां छात्राओं का मूवमेंट रहता है। इसके चलते निर्भया मोबाइल प्रभारी सूबेदार सोनम पाराशर महिला पुलिसकर्मियों के साथ पहुंची। उन्होंने करीब आधा घंटे तक पेट्रोलिंग की। तभी उनकी नजर एक गुमटी पर पड़ी। यहां गुमठी पर युवकों का समूह तब से खड़ा था, जब से वह यहां पेट्रोलिंग कर रही थीं। सूबेदार ने इन्हें फटकार लगाई। फिर इनकी वीडियो बनाना शुरू की तो दौड़ते नजर आए। गुमटी वाले को हिदायत दी, अगर यहां जमावड़ा लगवाया तो सख्त कार्रवाई होगी।42 डेयरियों को नोटिस, 10 से अधिक गाय-भैंस तो बंद होंगी स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 की तैयारियों को लेकर बुधवार को नगर निगम के उपायुक्त स्वच्छ भारत मिशन अमर सत्य गुप्ता ने स्वास्थ्य अधिकारियों की बैठक ली। बैठक के दौरान शहर के विभिन्न इलाकों में डेयरियों के कारण होने वाली गंदगी और गोबर से सीवर लाइन जाम होने के मामले में 42 डेयरियों को नोटिस जारी किए गए। इसके अलावा स्वास्थ्य अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए गए कि जिन डेयरी में 10 से अधिक गाय या भैंस हैं, उन्हें बंद कराने की कार्रवाई की जाए। ऐसी डेयरी को ग्वाला नगर में शिफ्ट किया जाए। इसके अलावा राज्य शासन के निर्देश पर शहर में खुली मांस-मछली की दुकानों को ट्रेड लाइसेंस जारी करने पर भी चर्चा की गई। तय किया कि एक हजार रुपये प्रतिवर्ष शुल्क पर लाइसेंस जारी किए जाएं।

ट्रक पर लटकी मिली चालक की खून से लथपथ लाश, केबिन में मिली बन्दूक

सिटी चीफ ग्वालियर
ग्वालियर के सिरोल हाइवे पर बुधवार आधी रात को ट्रक चालक की खून से लथपथ लाश ड्राइवर सीट के बाहर ट्रक से ही लटकी मिली है, उसके गले मे फँदा है और चेहरा व माथे से माँस के लोथड़े खून टपक रहा है। केबिन मे ही बन्दूक भी रखी मिली है। पुलिस हत्या और आत्महत्या मे उलझ गई है। चालक की मौत की सन् सनी खेज वारदात सामने आने के बाद सी एस पी हिना खान फोर्स के साथ मौके पर पहुंची। खबर लिखे जाने तक पड़ताल जारी थी। उसके मुह मे गोली लगी है और गले मे फांसी का फँदा लटका हुआ है।सिरोल इलाके का रहने वाला पिंटू गुर्जर पुत्र कल्याण सिंह गुर्जर मूल रूप से बेहट का रहने वाला था। वह पेशे से ट्रक चालक था। अपना ही ट्रक चलाता था। वह दो दिन पहले घर से सरसो बेचने के लिए ट्रक मे भरकर निकला था। बुधवार रात करीब 12 बजे सिरोल हाइवे से कुछ लोग गुजरे। इनकी नजर ट्रक पर पड़ी। ट्रक की ड्राइवर वाली सीट के बाहर रोड से उसकी लाश टंगी थी। गले मे फँदा था और मुह व सिर के चिथड़े उड़ चुके थे, माँस टपक रहा था। लोग यह दृश्य देख घबरा गए तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने पड़ताल की तो केबिन के अंदर, 315 बोर की बन्दूक मिली। उसके सिर मे गोली लगी थी जो जबड़े से घुसी। शव को नीचे उतरवाया। मृतक के स्वजनों को बुलवाया। इसमें हत्या और आत्महत्या दोनों एंगल पर पड़ताल जारी है। सीएसपी हिना खान ने बताया कि वह मेहगांव की ओर से सरसो बेचकर लौट रहा था। अभी तक की पड़ताल मे सामने आया है, उसे रुपये नहीं मिले थे, इसके चलते परेशान था। इसकी तसदीक् चल रही है। **आत्महत्या तो बन्दूक अंदर कैसे** इस घटना मे कई सवाल है जिनके जवाब पुलिस तलाश रही है। अगर यह आत्महत्या है तो गोली कैसे लगी क्योंकि बंदूक अंदर मिली है। फांसी लगाने के बाद गोली कैसे मारी होगी

शहीद भवन में जनयोद्धा नाट्य समारोह का अंतिम दिन

भारत भवन में देखें रावण वध

सिटी चीफ भोपाल।
शहर में कलात्मक, सांस्कृतिक, सामाजिक, खेल, धार्मिक आदि गतिविधियों का सिलसिला निरंतर चलता रहता है। गुरुवार 15 फरवरी को भी शहर में ऐसी अनेक गतिविधियों का आयोजन होने जा रहा है, जिनका आप आनंद उठा सकते हैं। यहां हम कुछ ऐसे ही चुनींदा कार्यक्रमों की जानकारी पेश कर रहे हैं, जिसे पढ़कर आपको अपनी दिन की कार्ययोजना बनाने में आसानी होगी। पाषाण प्रदर्शनी - जीपी बिड़ला संग्रहालय में भू-वैज्ञानिकों के माध्यम से कई प्रकार के पाषाण और खनिज पत्थरों की प्रदर्शनी लगाई गई है। इसमें बाक्साइट, क्रिस्टल, पानी में तैरने वाला पत्थर, जैस्पर, अभ्रक, स्लेटी, ओपल, डोलराइट, कार्नेलियन, सामुद्रिक काला और सफेद नमक जीवाश्मों जैसे 50 से अधिक प्रकार पत्थरों का प्रदर्शन किया जा रहा है। इस प्रदर्शन को 16 फरवरी तक सुबह 10.30 बजे से शाम पांच बजे तक देखा जा सकता है। माह का प्रादर्श - इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय में फरवरी माह के प्रादर्श के रूप में भूटिया समुदाय के आध्यात्मिक उपकरण फुरबा को प्रदर्शित किया जा रहा है। वीथि संकुल में इसे सुबह 11 बजे से शाम छह बजे तक देखा जा सकता है। चित्र प्रदर्शनी - मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय की लिखंदरा दीर्घा में गोंड चित्रकार संतू तेकाम के चित्रों की प्रदर्शनी सह-विक्रय का संयोजन किया गया है। इस प्रदर्शनी को दोपहर 12 बजे से रात आठ बजे तक देखा जा सकता है। श्रीमद्भागवत कथा - मानस भवन में संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है। 16 फरवरी तक चलने वाले इस आयोजन में रोज अपराह्न तीन घंटे अखिल भारतीय मानस संघ धर्म अध्यक्ष पंडित रामकृपालु उपाध्याय महाराज कथा सुना रहे हैं। समय दोपहर 2~30 बजे सायं 5~30 बजे तक है। संगोष्ठी - जगतगुरु आदिशंकराचार्य विरचित सौंदर्यलहरी एवं नर्मदालहरी का भाष्य श्रीविद्या, सामाजिक, न्यायिकमत एवं स्वाअनुभूति पर लिखित ग्रंथ का विमोचन शाम पांच बजे मानस भवन में होगा। इस अवसर पर संबंधित विषय पर संक्षिप्त संगोष्ठी भी होगी। जनयोद्धा नाट्य समारोह - स्वराज संस्थान संचालनालय द्वारा शहीद भवन में जनयोद्धा राष्ट्रीय नाट्य समारोह आयोजित किया जा रहा है। इस सप्तदिवसीय नाट्य समारोह का आज अंतिम दिन है। आज शाम साढ़े छह बजे से दिल्ली के रवि तनेजा के निर्देशन में नाटक इंकलाबी बेटा भगतसिंह% का मंचन होगा। दर्शकों के लिए प्रवेश निश्शुल्क है। स्थापना दिवस समारोह - भारत भवन के अष्टदिवसीय स्थापना दिवस समारोह में आज तीसरे दिन शाम 6.20 बजे बाबूलाल भोला का अलगोजा वादन होगा। शाम 7 बजे भारतेन्दु नाट्य अकादमी लखनऊ के कलाकारों का नाटक रावण वध का मंचन किया जाएगा।

आवारा श्वानों और गंदगी से हो रही परेशानी का 48 घंटे में होगा समाधान

सिटी चीफ ग्वालियर
शहर में बढ़ते आवारा श्वान के आतंक और सड़कों पर पसरी गंदगी से आप छुटकारा पा सकते हैं। इसके लिए आप नगर निगम के हेल्प लाइन नंबर पर शिकायत दर्ज कराएं, वाट्सएप नंबर पर गंदगी, कचरे ढेर, डस्टबिन बने प्लाट की फोटो और जानकारी साझा करें। निगम का अमला आपके द्वारा दी गई जानकारी पर तत्काल एक्शन लेगा और सफाई के बाद आपको सूचित भी करेगा। यह कहना था नगर निगम के मुख्य स्वच्छता अधिकारी डा. अनुज शर्मा का। डा. शर्मा का कहना है कि यदि कोई भी निगम कर्मचारी कचरे में आग लगा रहा है, कचरा खुले में फेंकता है या फिर झाड़ू नहीं लगा रहा, डोर-टू-डोर वाहन नियमित और समय पर नहीं पहुंच रहा है। फिर आप हेल्प लाइन नंबर-0751-2438748, 2920812 इस पर शिकायत दर्ज कराएं। इसके अलावा वाट्सएप नंबर 7974273700 पर उस स्थान के फोटो भेंजे जहां पर गंदगी के ढेर जमा है उसके फोटो डालें। इसी तरह से कंट्रोल रूम नंबर 0751-2438387 पर संपर्क कर नगर निगम सीमा के अंतर्गत आने वाली किसी भी समस्या का समाधान ले सकते हैं। आपकी शिकायत का निराकरण अगले 48 घंटे में होगा यदि ऐसा नहीं होता है तो संबंधित के खिलाफ आयुक्त के द्वारा एक्शन लिया जाता है।प्रश्न~ जनकपुरी का रहने वाला हूं वहां पार्क के आसपास गंदगी के ढेर लगे हैं, दलदल बना हुआ हैं। प्रश्न~ सागर ताल पर पीएम आवास में कचरा कलेक्शन के लिए वाहन नहीं पहुंचता, डस्टबिन तक नहीं रखे गए।

संपादकीय

यह क्रिकेट का नया युग है, सरफराज जैसे युवाओं का युग है...

सरफराज को भी भारत और इंग्लैंड के बीच तीसरे टेस्ट में मौका मिल सकता है। ऐसे में भारतीय टीम इस दौर में इस मैच में सबसे युवा होगी। आप भी इस पल के गवाह बनेंगे तो ताउम्र इसे याद रखेंगे।अगर आप इन दिनों भारतीय क्रिकेट टीम के हर अपडेट पर निगाह रख रहे हैं तो जान लीजिए कि आप इतिहास की एक बड़ी घटना के साक्षी बनने वाले हैं। यह 40 की आयु के क्रिकेट के चाहने वालों के लिए खास तौर पर रोमांचक है। इस पीढ़ी ने सचिन, द्रविड़, गांगुली और लक्ष्मण वाला दौर देखा तो बाद में रोहित और विराट के भी बड़े फलक पर चमकने के साक्षी बने। अब बारी बिल्कुल युवा बिग्रेड की है। हो सकता है कि आज से दस साल बाद जब हम क्रिकेट के आंकड़ों की बात कर रहे हों तो सरफराज खान का नाम उस फेहरिस्त में काफी आगे हो।यशस्वी जायसवाल का यश काफी बढ़ चुका हो और शुभमन सच में ही भारत क्रिकेट के राजकुमार से नए महाराज बन चुके हों। मैंने तो कभी कल्पना नही की थी कि दिग्गजों से लैस रहने वाली टीम एकदम युवा चेहरों से तरोताजा हो जाएगी। उम्मीद तो यह भी है कि विकेटकीपर ध्रुव जुरैल भी पदार्पण कर सकते हैं। ऐसे में संभव है कि एकदम से उम्मीदों का भार उठाने के कारण शुरूआती मैचों में इनमें से कुछ खिलाड़ी लगातार बेहतर प्रदर्शन न सकें। शुभमन के बारे में ऐसा ही कहा गया लेकिन उन्होंने हर बार खुद को साबित किया। खैर मैं इस आलेख में पाठकों के जेहन में यह बात डालना चाहता हूं कि उनके लिए ये मैच देखना क्यों जरूरी हैं। क्यों जरूरी है कि सरफराज के बल्ले पर लगी पहली गेंद वह देखें और जुरेल खेले तो उनका पहला कैच या स्टंपिंग के गवाह बनें। दरअसल, जैसा कि शुरू में ही कहा गया कि पूरी भारतीय टीम एक तरह से बदल रही है। इस बदलाव को देखना एक अहम लम्हे को अपनी आंखों से देखना है। इंतजार कीजिए अंतिम 11 की घोषणा का और देखिए बदलते दौर की बदली हुई टीम। वैसे इग्लैंड के बैजबॉल ने भी अभी बहुत निराश नहीं किया है। पिछले मैच में वो हमसे हारे जरूर लेकिन पीछा करते हुए भी चौथी पारी में एक अच्छा खास स्कोर बना लिया था। ऐसे में युवा भारतीय हौसले और परिपक्व इंग्लैंड की टीम का मुकाबला इस बार और भी रोमांचक हो सकता है।

पाकिस्तान: आसान नहीं होगी शहबाज की राह, सेना की पटकथा पर चलकर कैसे आएगा लोकतंत्र

तमाम आरोपों-प्रत्यारोपों और कशमकश के बाद बात शहबाज शरीफ पर आकर रुकी है। लेकिन जिस तरह से सेना द्वारा लिखी पटकथा पर चुनाव हुए हैं और अब सरकार बन रही है, उसमें पाकिस्तान के लिए चुनौतियां कम होती नहीं दिख रही हैं। देखना होगा कि वहां लोकतंत्र किस हद तक काम कर पाता है।अमेरिकी लेखक मार्क ट्वेन के प्रसिद्ध उद्धरण के संशोधित संस्करण के मुताबिक, इतिहास खुद को दोहराता है, लेकिन तुकबंदी के इस जमाने में पाकिस्तानी चुनावों के नतीजों के लिए यह रूढ़िवादी तरीके से सच होता है, जो शहबाज शरीफ को पाकिस्तान का प्रधानमंत्री बनाने के लिए साफ किए गए रास्ते से स्पष्ट है। सेना ने चयन की प्रक्रिया के माध्यम से चाक-चौबंद रणनीति को अंजाम दिया है। पाकिस्तान में आम चुनाव, 2024 के नतीजे नवाज शरीफ की पार्टी पीएमएल (एन) की सफलता सुनिश्चित करने के लिए सर्वशक्तिशाली सेना द्वारा लिखी गई पटकथा है, जो 2018 के चुनाव में इमरान खान को प्रधानमंत्री के पद पर बैठाने के लिए की गई कवायद जैसी ही है। सेना की सर्वोच्चता और लोगों की मानसिकता के कारण उस मुल्क में कोई भी शहबाज के चयन पर सवाल नहीं उठाएगा, जहां परोक्ष रूप से दशकों तक और सीधे तौर पर 33 वर्षों तक सेना द्वारा शासन का इतिहास रहा है। यह भी एक भ्रम ही था कि शेष अवधि में मुल्क में लोकतंत्र बहाल हो गया था, क्योंकि घरेलू और विदेशी मामलों में पूरी तरह से सेना का वर्चस्व था। चयनित प्रधानमंत्रियों ने हमेशा सेना के इशारे पर कठपुतलियों की तरह काम किया। अब स्थिति स्पष्ट हो गई है और पाकिस्तान के चुनावी नतीजे संकटग्रस्त मुल्क के लोगों के अलावा पूरी दुनिया की अपेक्षाओं और अनुमानों के अनुरूप हैं। तीन बार प्रधानमंत्री रहे नवाज शरीफ ने अनिश्चित और अस्थिर राजनीतिक परिदृश्य के बीच आश्चर्यजनक ढंग से अपने छोटे भाई शहबाज शरीफ को प्रधानमंत्री, जो उन्हें छद्म रूप से शासन चलाने में सक्षम बनाएगा और अपनी बेटी मरियम नवाज को पंजाब की मुख्यमंत्री पद के लिए नामित किया है। विशेषज्ञों का मानना है कि नवाज शरीफ ने एक तीर से दो शिकार करने की कोशिश की है, जिससे पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के सरकार में शामिल होने की संभावना बनी रहेगी, क्योंकि पीपीपी अध्यक्ष बिलावल भुट्टो ने पीएमएल (एन) सरकार को बाहर से समर्थन देने की घोषणा की है। बिलावल अपने पिता आसिफ अली जरदारी को राष्ट्रपति बनवाने के लिए सौदेबाजी कर सकते हैं, जिससे समीकरण बदल सकते हैं। दूसरा, इससे उनकी बेटी और पीएमएल (एन) की सूचना सचिव मरियम नवाज के लिए सबसे महत्वपूर्ण प्रांत पंजाब का मुख्यमंत्री बनने की राह प्रशस्त होगी। गठबंधन सरकार में पीएमएल (एन), पीपीपी, एमक्यूएम, पीएमएल-क्यू, बीएपी इत्यादि दल शामिल होंगे, जिससे 265 सदस्यों वाले सदन में गठबंधन का संख्याबल 152 हो जाएगा, जो 133 के बहुमत के आंकड़े से ज्यादा है। मनोनीत सदस्यों को जोड़ने के बाद गठबंधन का संख्याबल 169 हो जाएगा। लेकिन शहबाज शरीफ के लिए सरकार चलाना एक बड़ी चुनौती होगी। सबसे पहले उन्हें मुल्क के बदहाल आर्थिक संकट से निपटना होगा, जो भविष्य में कभी भी ध्वस्त हो सकता है और उसका हश्र श्रीलंका जैसा होने की आशंका है। कई वर्षों से राजनीतिक उथल-पुथल से गुजरते पाकिस्तान के लोगों को स्थिर सरकार की उम्मीद है, जो सेना के समर्थन के चलते कुछ हद को वास्तविकता बन सकती है, जिन्होंने मुल्क का नेतृत्व करने के लिए नवाज शरीफ के माध्यम से शहबाज को चुना है। तीसरा, अफगानिस्तान से होने वाली आतंकी कार्रवाइयों पर नियंत्रण पाना शहबाज सरकार के लिए मुश्किल होगा, जो प्रतिबंधित तहरीक-ए तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) को समर्थन देता है। अब लोग नई सरकार से उम्मीद करेंगे कि वह बढ़ते आतंकी हमलों पर लगाम लगाएगी, जिसके चलते 2023 में कथित तौर पर 1,500 से अधिक लोग मारे गए हैं। चूंकि पर्दे के पीछे से नवाज शरीफ ही सरकार चलाएंगे, इसलिए उम्मीद की जा सकती है कि वह भारत सहित अन्य पड़ोसियों के साथ संबंधों को बेहतर बनाने के लिए ठोस प्रयास कर सकते हैं, जिसका उल्लेख उन्होंने अपने विजय भाषण में किया था। प्रधानमंत्री मोदी के नवाज शरीफ के साथ अच्छे संबंध रहे हैं, जिन्होंने वर्ष 2015 में अचानक लाहौर का दौरा करके उन्हें जन्मदिन की बधाई दी थी। उससे पहले पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने भी पाकिस्तान का दौरा किया था, जिन्हें इस्लामाबाद के साथ संबंधों में नरमी लाने का श्रेय दिया जाता है। कूटनीतिक सिद्धांतों के अनुसार, भले ही दोनों देशों के बीच शत्रुता की भावना प्रबल हो, पर बातचीत जारी रहनी चाहिए। अगर पाकिस्तान ईमानदारी दिखाए और कश्मीर की जिद छोड़ दे, तो भारत फिर से बातचीत शुरू कर सकता है। हालांकि मोदी की पाकिस्तान यात्रा से वहां की सेना खुश नहीं थी। लेकिन अब स्थिति अलग है। अब सेना और नवाज एक साथ हैं। लेकिन सेना की खुफिया एजेंसी आईएसआई को कश्मीर में हिंसा में शामिल आतंकवादियों का समर्थन करने की अपनी नीति छोड़नी होगी। नवाज से उम्मीद रहेगी कि वह कश्मीर को छोड़कर आर्थिक मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करें, जो उनके भाई शहबाज के लिए मार्गदर्शक सिद्धांतों के रूप में कार्य कर सकता है। इसके अलावा, नए प्रधानमंत्री को पाकिस्तान की शरणार्थी नीति की धज्जियां उड़ाने वाले तालिबान से भी रिश्ते सुधारने होंगे। पाकिस्तान ने जबरन 3,75,000 अफगानियों को निष्कासित कर दिया है और उनमें से 20,000 को निर्वासित कर दिया है, जिससे तालिबान शासन नाराज हो गया और उसने पाकिस्तान पर हमला कर दिया। फिलहाल दोनों देशों के रिश्ते बहुत खराब हैं। इसमें शायद ही किसी को संदेह होगा कि पाकिस्तान में इस बार चुनाव निष्पक्ष नहीं था, क्योंकि एक मजबूत दावेदार और लोकप्रिय नेता इमरान खान को सुनियोजित साजिश के तहत चुनावी प्रक्रिया से बाहर कर दिया गया था। इमरान के वफादारों का कहना है कि नवाज शरीफ को सफलता दिलाने में सेना ने प्रमुख भूमिका निभाई, जिन्होंने छद्म ढंग से शासन चलाने के लिए अपने भाई का नाम प्रधानमंत्री पद के लिए आगे बढ़ाया। इमरान खान को चुनाव लड़ने के अयोग्य ठहरा कर जेल में डाल दिया गया, जिससे उनकी पार्टी पीटीआई दिशाहीन हो गई। चुनाव आयोग ने उनकी पार्टी का चुनाव चिह्न बल्ला भी छीन लिया। विश्लेषकों का मानना है कि सही मायनों में तो नहीं, लेकिन पाकिस्तान में कहने को लोकतंत्र बचा हुआ है, जो भारत के लिए एक अच्छा संकेत है, क्योंकि पड़ोस में शांति हमेशा सकारात्मक माहौल बनाती है।

16 फरवरी को रथ सप्तमी, जानिए इसका धार्मिक महत्व, पूजाविधि और नियम

माघ मास के शुक्ल पक्ष की सप्तमी को रथ सप्तमी, अचला सप्तमी या आरोग्य सप्तमी के नाम से जाना जाता है। हिन्दू पंचांग के अनुसार इस साल रथ सप्तमी 16 फरवरी, शुक्रवार को है। यह सूर्योपासना का दिन है। इस दिन भक्तिभाव से की गई पूजा से प्रसन्न होकर सूर्यदेव अपने भक्तों को समृद्धि, ऐश्वर्य और आरोग्य का आशीर्वाद देते हैं।भविष्य पुराण के अनुसार सप्तमी तिथि को भगवान सूर्य का आविर्भाव हुआ। भगवान सूर्य ने इसी दिन सारे जगत को अपने प्रकाश से आलोकित किया था। उन्हें अपनी भार्या संज्ञा उत्तरकुरु में एवं संतानें भी सप्तमी तिथि के दिन प्राप्त हुईं ,अतः सप्तमी तिथि भगवान सूर्य को अतिप्रिय है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इस दिन भगवान सूर्य की पूजा करने से लोगों को अक्षय फल की प्राप्ति होती है। पूर्ण श्रद्धा और भाव के साथ की गई पूजा से प्रसन्न होकर भगवान भास्कर अपने भक्तों को सुख, समृद्धि और अच्छे स्वास्थ्य का आशीर्वाद देते हैं। सूर्य की ओर मुख करके सूर्य स्तुति करने से त्वचा रोग आदि नष्ट हो जाते हैं और नेत्र की ज्योति बढ़ती है। इस व्रत को श्रद्धा और विश्वास से रखने पर पिता-पुत्र में प्रेम बना रहता है। इस दिन प्रातः जल्दी उठकर किसी जलाशय, नदी अथवा घर में ही ताज़ा जल से स्नान कर लाल,गुलाबी या केसरिया रंग के वस्त्र धारण करें। तांबे के लोटे में पवित्र जल लेकर जल में अष्टगंध , लाल पुष्प व अक्षत डालकर सूर्याय नमः इस सरल मंत्र से उदय होते सूर्य को अर्घ्य दें। तिल के तेल का दीपक इस दिन सूर्यनारायण के निमित्त अर्पित करें। सूर्य को जल चढ़ाने के बाद लाल आसन पर बैठकर पूर्व दिशा की ओर मुख करके इस मंत्र का 108 बार जाप करें। ऐसा करने से आपको सूर्य देव का आशीर्वाद मिलेगा। **पूजा के नियम** इस दिन अपाहिजों, गरीबों और ब्राह्मणों को अपनी सामर्थ्य के अनुसार जरूरत की वस्तुएं देनी चाहिए। इस दिन सूर्य उपासना करने वालों के लिए एक समय नमक रहित भोजन अथवा फलाहार करने का विधान है। व्रती को नीले वस्त्र धारण नहीं करने चाहिए अन्यथा पूजा निष्फल हो जाती है।

रथ सप्तमी व्रत कथा

भविष्य पुराण की पौराणिक कथा के अनुसार एक वैश्या ने अपने जीवन में कभी कोई दान-पुण्य नहीं किया। बुढ़ापे में जब उन्हें अपनी गलती का एहसास हुआ तो वह ऋषि वशिष्ठ के पास गईं। उसने ऋषि के समक्ष अपनी भावनाएं व्यक्त कीं। तब वशिष्ठ जी ने उन्हें रथ सप्तमी यानी अचला सप्तमी के व्रत का महत्व बताते हुए कहा कि इस दिन यदि कोई व्यक्ति सूर्य को जल अर्घ्य देकर भगवान सूर्य को दीप दान करता है तो उसे बहुत पुण्य मिलता है। वैश्या ने ऋषि के कहे अनुसार रथ सप्तमी का व्रत किया, जिसके प्रभाव से शरीर त्यागने के बाद उसे इंद्र की अप्सराओं की मुखिया बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

शोध: प्रदूषित हवा परागण की दुश्मन

पूरी दुनिया में उत्पादन प्रभावित

वायु प्रदूषण के कारण पौधों में परागण की प्रक्रिया बाधित हो रही है, जिसका असर दुनिया के कई हिस्सों में उत्पादन पर पड़ रहा है।विश्व स्वास्थ्य संगठन के शोध में यह पाया गया है कि वायु प्रदूषण बढ़ने से मनुष्यों में हाइपरटेंशन और डायबिटीज का जोखिम बढ़ जाता है, जो दिल के दौरे और हृदयाघात की सबसे बड़ी वजह बनता जा रहा है। अब नए शोध में सामने आया है कि यह पौधों में परागण को भी बुरी तरह प्रभावित कर रहा है। परागण की प्रक्रिया से आशय परागकणों का नर से मादा के अंगों में पहुंचना है। परागण पौधों के प्रजनन का एक जरूरी हिस्सा है। वायु प्रदूषण के कारण अब कीट परागण की प्रक्रिया बाधित हो रही है। यह शोध फ्रंटियर्स इन इकोलॉजी ऐंड द एनवायरनमेंट पत्रिका में प्रकाशित हुआ है। इस शोध के निष्कर्षों में कहा गया है कि वायु प्रदूषण परागणकर्ता कीटों और पौधों के लिए कई समस्याएं पैदा कर रहा है। पौधे अपने फूल आने का समय बदल रहे हैं या कीड़े फूलों की ओर आकर्षित नहीं हो रहे हैं। विभिन्न कारणों से होने वाला वायु प्रदूषण परागण प्रक्रिया को बाधित कर रहा है। अध्ययन के अनुसार, पौधों में फूल कम आने से परागण करने वाले कीट, जैसे-मधुमक्खियां, ततैया और तितलियां फूलों का पर्याप्त रस नहीं चूस पा रही हैं। पौधों और परागण वाले जीवों का संबंध टूटने से खेती पर बुरा असर पड़ रहा है। इस वजह से दुनिया के कई हिस्सों में उत्पादन पर असर पड़ रहा है। प्रदूषित हवा परागणकों पर बुरा असर डाल रही है। यह पराग की गुणवत्ता को कम कर रही है या पौधों और कीट समुदायों की संरचना में मूलभूत परिवर्तन का कारण बन रही है। ड्यूक कहते हैं कि कीट परागण पर वायु प्रदूषकों के प्रभावों पर आगे का शोध पौधों और परागणकों के बीच परस्पर प्रभाव की पहचान करने के लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह वायु प्रदूषण के प्रति सबसे अधिक संवेदनशील है। कीटों द्वारा परागण किए जाने वाले पौधों में बड़ी संख्या में खेती वाले पौधे हैं। कॉफी या स्ट्रॉबेरी में तो कीड़ों द्वारा परागण की कमी से फसल को भारी नुकसान हो रहा है। इसके अलावा, वायु प्रदूषण अन्य जीवों के साथ पौधों के परस्पर रिश्ते को भी प्रभावित करता है। ड्यूक ने बताया कि वह यह जांच करना चाहते हैं कि ओजोन प्रदूषण कीटों के एक विशिष्ट समूह के परागण और शिकार को कैसे प्रभावित करता है? खासकर, शिकारी कीट होवरफ्लाइज पर कैसा असर पड़ता है? जीव विज्ञानी कहते हैं कि हम इस शोध के माध्यम से कीट परागण के लिए वायु प्रदूषण के खतरों और उचित सुरक्षात्मक उपाय करने के महत्व पर ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं। उन्होंने बताया कि ये होवरफ्लाइज बहुत दिलचस्प हैं, क्योंकि ये वयस्कों के रूप में पौधों को परागित करते हैं, लेकिन लार्वा चरण में एफिड्स को खाते हैं और इस प्रकार एफिड आबादी को कम कर सकते हैं। एफिड्स पौधे के प्रसिद्ध कीटों में से एक हैं। एफिड्स नरम शरीर वाले कीड़े हैं, जो पौधों का रस चूसते हैं। वे आम तौर पर कोमल टर्मिनल विकास के नीचे की तरफ कॉलोनियों में होते हैं। नए पौधों के लिए एफिड नियंत्रण सबसे मूल्यवान है, क्योंकि अत्यधिक रस चूस लेने से पौधे की सामान्य शक्ति प्रभावित होने की आशंका रहती है। इसी विषय पर जर्मनी के मैक्स प्लैंक इंस्टीट्यूट फॉर केमिकल इकोलॉजी और अमेरिका के वर्जीनिया विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं की एक टीम ने फूलों और परागणकर्ताओं के बीच रासायनिक संचार पर ओजोन वायु प्रदूषण के प्रभाव का अध्ययन किया है। उन्होंने दिखाया कि तंबाकू के फूलों पर मंडराने वाले कीटों ने अपने पसंदीदा फूलों की ओर आकर्षित होना बंद कर दिया है, क्योंकि वायु प्रदूषण के प्रभाव से उनकी खुशबू बदल गई थी। यह ऑक्सीकरण प्रदूषक पौधे और उसके परागणकर्ता के बीच के संबंध में गड़बड़ी फैलाता है। प्रदूषण पौधे और परागणकर्ता कीट के बीच लाखों वर्षों में विकसित हुए रिश्ते में बाधा डालता है। शोधकर्ता कहते हैं कि वायु प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन के हमारे पारिस्थितिकी तंत्र के लिए दूरगामी परिणाम हैं। ये न केवल पौधों की गंध को बदल देता है, बल्कि नर को आकर्षित करने के लिए सेक्स फेरोमोन मादा कीट को भी भ्रमित कर देते हैं। हाल के वर्षों में कीट मृत्यु दर नाटकीय ढंग से बढ़ी है और दुनिया भर के शोधकर्ता इसके कारणों की खोज कर रहे हैं।

मखाने की माला और वस्त्र से सजे बाबा महाकाल, दिया शांति का संदेश

मखाने की माला और के वस्त्र से सजे बाबा महाकाल, दिया शांति का संदेशविश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में आज माघ शुक्ल पक्ष की षष्ठी पर गुरुवार तड़के भस्म आरती के लिए चार बजे मंदिर के पट खुलते ही पंडे पुजारियों ने गर्भगृह में स्थापित सभी भगवान की प्रतिमाओं का पूजन किया। इसके बाद दूध, दही, घी, शक्कर और फलों के रस से बने पंचामृत से कर पूजन कर भगवान महाकाल का जलाभिषेक किया गया। प्रथम घंटाल बजाकर हरि ओम का जल अर्पित किया गया। कपूर आरती के बाद भगवान महाकाल के मस्तक पर त्रिपुंड लगाकर आभूषण अर्पित कर श्रृंगार किया। भगवान को मावा, सूखा मेवा और ड्रायफ्रूट अर्पित करने के बाद ज्योतिर्लिंग को कपड़े से ढांककर भस्म रमाई गई। भस्म अर्पित करने के पश्चात भगवान महाकाल को रजत मुकुट, रजत की मुंडमाल और मखाने की माला के साथ का वस्त्र अर्पित कर शांति का संदेश दिया गया। जिसके बाद फल और मिष्ठान का भोग लगाया गया। भस्म आरती में बड़ी संख्या में पहुंचे श्रद्धालुओं ने बाबा महाकाल का आशीर्वाद लिया। इस दौरान पूरा मंदिर परिसर जय श्री महाकाल की गूंज से गुंजायमान हो गया।

सिंगल कॉलम

किरण राव ने आखिरकार बताई आमिर खान से अलग होने की असली वजह

मुंबई । बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्शनिस्ट आमिर खान और किरण राव रिलेशनशिप की वजह से एक बार फिर खबरों में हैं। आमिर अपनी दोनों पूर्व पत्नियों के साथ आइरा की शादी में पहुंचे थे। उन्होंने सबके सामने किरण राव को किश भी किया। हालांकि, दोनों की बॉंडिंग कई एक्स कपल के लिए किसी प्रेरणा से कम नहीं है। आमिर और किरण ने 2005 में शादी करके एक नई जिंदगी शुरू की। 16 साल की शादी के बाद 2021 में उनका तलाक हो गया। उनके अचानक तलाक के फैसले से फैंस भी हैरान रह गए। आमिर और किरण ने क्यों लिया तलाक? इसको लेकर चर्चाएं शुरू हो गई थीं लेकिन सही वजह सामने नहीं आई। अब इस बात का खुलासा खुद किरण राव ने किया है। किरण राव अपनी आने वाली फिल्म 'लापता लेडीज' के प्रमोशन में बिजी हैं। इस मौके पर दिए एक इंटरव्यू में उन्होंने आमिर से तलाक लेने की वजह बताई है।किरण राव ने आगे कहा, हमारा रिश्ता शादी से कहीं बढ़कर है। हम एक-दूसरे को तब से जानते थे जब हमने साथ काम करना शुरू किया था। फिर हम पार्टनर बन गए और साथ काम करना शुरू कर दिया। हमारे बीच बहुत ही पारिवारिक, ईमानदार रिश्ता था। यह कुछ ऐसा है, जिसे आप मिटा नहीं सकते और आप ऐसा करना भी नहीं चाहते, क्योंकि यही हमारे रिश्ते का आधार है। हमारे बीच कभी भी कोई खराब मतभेद या बड़ी लड़ाई नहीं हुई। हम बस हम अपने रिश्ते को फिर से डिफाइन करना चाहते थे। हम एक परिवार बने रहना चाहते थे, लेकिन शादी नहीं करना चाहते थे। इसलिए हमने सिर्फ अपने नियम बनाए। मुझे नहीं लगता कि रिश्तों को सामाजिक टैग दिया जा सकता है। जो लोग तलाक के बाद अलग हो गए हैं वे एक साथ काम करते हैं, एक ही इमारत में रहते हैं और एक साथ खाना खाते हैं। अगर तलाक के बाद हमारा रिश्ता खत्म हो जाता तो मुझे बहुत बुरा लगता। किरण राव एक दशक से अधिक समय के बाद निर्देशक के रूप में वापसी कर रही हैं। यह फिल्म आमिर खान प्रोडक्शंस और किंडलिंग प्रोडक्शंस के बैनर तले बनाई गई है।

वेदम के बाद फिर साथ आए अनुष्का शेट्टी-कृष जगरलामुडी?

विक्रम प्रभु होंगे मुख्य अभिनेता

अनुष्का शेट्टी को महेश द्वारा निर्देशित सुपरहिट फिल्म मिस शेट्टी मिस्टर पोलीशेट्टी में अपनी शानदार भूमिका के लिए जाना जाता है। अभिनेत्री अब अपने आगामी प्रोजेक्ट को लेकर सुर्खियों में आ गई हैं। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो अनुष्का अगली फिल्म के लिए कृष जगरलामुडी के साथ सहयोग करने वाली हैं। विक्रम प्रभु फिल्म में मुख्य अभिनेता होंगे। साथ ही इसकी शूटिंग पर भी बड़ा अपडेट सामने आया है।

विक्रम प्रभु संग जमेगी अनुष्का शेट्टी की जोड़ी

कृष जगरलामुडी के निर्देशन में बनने वाली इस फिल्म मे तमिल अभिनेता विक्रम प्रभु और अनुष्का शेट्टी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। जानकारी तो यह भी है कि इसे वर्तमान में ओडिशा में फिल्माया जा रहा है। प्रतिष्ठित प्रोडक्शन हाउस यूवी क्रिएशन्स इस परियोजना का बड़े पैमाने पर समर्थन कर रहा है, जिसके बारे में अधिक जानकारी जल्द ही घोषित होने की उम्मीद है। इस बीच, कृष का हरि हर वीरा मल्लू अपने वीएफएक्स कार्य चरण में है।

कृष जगरलामुडी की आगामी फिल्म

निर्देशक कृष तेलुगु सिनेमा के सबसे लोकप्रिय फिल्म निर्माताओं में से एक हैं, और बैक-टू-बैक फिल्में बनाने के लिए जाने जाते हैं। लेकिन, जबसे उन्होंने हरि हर वीरा मल्लू के लिए पवन कल्याण से हाथ मिलाया है, तब से वह बैकफुट पर हैं। फिल्म में बार-बार देरी हो रही थी, इसलिए उन्होंने आगे बढ़कर कोंडा पोलम नामक फिल्म का निर्देशन किया, जिसमें वैष्णव तेज मुख्य भूमिका में थे। यह सामाजिक ड्रामा बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह फ्लॉप साबित हुई।

वेदम के बाद कृष-अनुष्का फिर आए साथ?

कृष और अनुष्का की बात करें तो दोनों आगामी फिल्म के साथ दूसरी बार सहयोग करने वाले हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, निर्माताओं ने फिल्म को गुप्त रखा है और प्रेस के सामने इसकी घोषणा नहीं की है। इससे पहले, दोनों ने अल्लू अर्जुन की वेदम में एक-दूसरे के साथ काम किया था। अनुष्का शेट्टी को आखिरी बार फिल्म मिस शेट्टी मिस्टर पॉलीशेट्टी में देखा गया था, जिसमें नवीन पॉलीशेट्टी भी मुख्य भूमिका में थे। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बड़ी हिट रही थी।

खुलासा, पहली बार मिले थे अर्जित तनेजा और सृति झा?

मुंबई । अपनी दिलचस्प कहानियों और दमदार किरदारों के साथ दर्शकों के दिलों में जगह बनाने और पूरे साल उनका मनोरंजन करने के बाद ज़ी टीवी एक बार फिर अपने सालाना जलसे ज़ी रिश्ते अवॉर्ड्स के साथ दर्शकों के दिलों में उतर जाने के लिए तैयार है।साल दर साल इस भव्य समारोह में एक्टर्स, डायरेक्टर्स, प्रोड्यूसर्स, क्रिएटिव टीम्स और टेक्नीशियन्स के बेहतरीन काम को सम्मानित करके उन गहरे रिश्तों का जश्न मनाया जाता रहा है, जो दर्शकों और उनके पसंदीदा टीवी किरदारों के बीच बन गया है। चूंकि होली भी करीब है, ऐसे में परिवारों के साथ मिलकर होली मनाने के लिए ज़ी रिश्ते अवॉर्ड्स से बेहतर मंच भला और क्या हो सकता है? तो आप भी रंगों के गुबार से सराबोर होने के लिए तैयार हो जाइए क्योंकि ज़ी कुटुंब शानदार परफॉर्मेंस, दिलचस्प नोक-झोंक और हल्के-फुल्के हंसी-मज़ाक से भरी एक शानदार शाम के साथ पारिवारिक रिश्तों का जश्न मनाने के लिए एक साथ आ रहा है क्योंकि ङ्क बुरा ना मानो फैमिली है!

शाहिद-कृति की फिल्म ने छठे दिन दिखाया कमाल, लाल सलाम का हुआ बुरा हाल

इन दिनों भी सिनेमाघरों में कई फिल्में लगी हैं, जो दर्शकों का मनोरंजन करा रही हैं। शाहिद कपूर-कृति सेनन स्टारर तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया, रजनीकांत की लाल सलाम ने शुक्रवार को दस्तक दी है। वहीं, ऋतिक रोशन और दीपिका पादुकोण की फाइटर और तेजा सजा की हनुमान जनवरी में रिलीज हुई थीं, जो अब तक दर्शकों का मनोरंजन कर रही हैं। इन सभी फिल्मों के प्रदर्शन का हाल इनके बॉक्स ऑफिस कलेक्शन से पता चलता है। तो आइए जानते हैं बुधवार को इन फिल्मों का क्या हाल रहा...तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया कृति सेनन और शाहिद कपूर की फिल्म तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया दर्शकों को काफी पसंद आ रही है। फैंस को इस फिल्म की रिलीज का बेसब्री से इंतजार था। शाहिद कपूर ने इस फिल्म में एक वैज्ञानिक की भूमिका निभाई है। वहीं, कृति सेनन फिल्म में रोबोट के किरदार में दिखाई दी हैं। 50 करोड़ की लागत से बनी यह फिल्म दर्शकों की उम्मीदों पर खरी उतरी है। फिल्म ने पहले बुधवार को यानी कि छठवें दिन 6.75 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है। इसी के साथ फिल्म ने अब तक 41.35 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर लिया है। **लाल सलाम** रजनीकांत की फिल्म लाल सलाम ने रिलीज के साथ ही बॉक्स ऑफिस पर अपनी पकड़ बना ली है। रजनीकांत ने इस फिल्म में कैमियो रोल किया है। ऐश्वर्या रजनीकांत के निर्देशन में बनी फिल्म लाल सलाम छठवें दिन 1.19 करोड़ रुपये की कमाई की है। इसी के साथ ही फिल्म ने अब तक 14.14 करोड़ रुपये की कुल कमाई कर ली है। **फाइटर** ऋतिक रोशन और दीपिका पादिकोण की फिल्म फाइटर दर्शकों को काफी पसंद आ रही है। सिद्धार्थ आनंद के निर्देशन में बनी फिल्म फाइटर में पहली बार ऋतिक और दीपिका की जोड़ी बड़े पर्दे पर देखने को मिली है। इस फिल्म का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार था। फिल्म में ऋतिक रोशन और दीपिका पादिकोण की केमिस्ट्री दर्शकों के खूब पसंद आई है।

शादी के बाद रकुल प्रीत और जैकी भगनानी नहीं जाएंगे हनीमून पर, जानें क्यों कैंसल किया प्लान

नई दिल्ली । बॉलीवुड इंडस्ट्री के पॉपुलर कपल्स में से एक रकुल प्रीत सिंह और जैकी भगनानी शादी के बंधन में बंधने के लिए तैयार हैं। शादी की तैयारियां दोनों ही परिवार में बहुत जोर-शोर से चल रही है। रकुल और जैकी की शादी को लेकर रोज नए अपडेट्स आते रहते हैं और अब जो नई बात सामने आ रही है वो ये कि दोनों शादी के बाद हनीमून पर नहीं जाएंगे। इसके पीछे की वजह उनके वर्क कमिटमेंट्स हैं। क्यों नहीं जाएंगे हनीमून ई टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, रकुल शादी से 3 दिन पहले तक काम करेंगी और शादी के 1 हफ्ते बाद वह एक बॉलीवुड फिल्म की शूटिंग शुरू करेंगी जिसका नाम अभी फाइनल नहीं हुआ है। वहीं जैकी, अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ की फिल्म बड़े मियां और छोटे मियां में बिजी हो जाएंगे क्योंकि बतौर प्रोड्यूसर यह उनकी बड़ी फिल्म है। खैर काम से ब्रेक लेकर दोनों बाद में जरूर हनीमून प्लान करेंगे। इको फ्रेंडली शादी बता दें कि रकुल और जैकी की इको फ्रेंडली शादी होने वाली है। दोनों ने रिश्तेदारों और दोस्तों को फिजिकल इन्विटेशन कार्ड नहीं दिए बल्कि ई कार्ड दिए हैं। शादी में कोई पटाखे नहीं जलाएंगे और दोनों मिलकर पेड़ लगाएंगे। 5 डिजाइनर्स बनाएंगे आउटफिट्स रकुल और जैकी को हाल ही में डिजाइनर तरुण तहिलानी स्टूडियो में स्पॉट किया गया जिससे लग रहा है कि यहां से दोनों के आउटफिट्ल आ रहे हैं। दिल्ली टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक रकुल और जैकी की शादी के लिए 5 डिजाइनर्स के कपड़े आएंगे जिसमें मेहंदी, संगीत, हल्दी और शादी के आउटफिट्स होंगे। ऐसा भी कहा जा रहा है कि कुछ इंटरनेशनल डिजाइनल भी उनके आउटफिट्स पर काम करेंगे। बता दें कि जैकी के साथ अपने रिलेशनशिप के बारे में बात करते हुए रकुल ने कहा था, हमारे रिलेशन को लेकर कुछ भी छिपाने का नहीं है। अगर आप किसी को प्यार करते हो तो अपने पार्टनर को रिस्पेक्ट दो, उसके बारे में बात करो। हम सबको पता है कौन कपल हैं तो इसे छिपाना, हम दोनों ऐसा नहीं मानते हैं।

लोग कहते थे किसी लायक नहीं राजामौली, तभी भाभी की एक बात ने बदल दी निर्देशक की जिंदगी

निर्देशक एसएस राजामौली अब किसी पहचान के मोहताज नहीं हैं। दक्षिण भारतीय फिल्मों से शुरुआत करने वाले राजामौली का नाम बॉलीवुड से लेकर हॉलीवुड तक में मशहूर हो चुका है। उनकी फिल्म आरआरआर ने भारत के साथ साथ दुनियाभर में धमाल मचाया है। मगर एक समय ऐसा था, जब उन्हें कहा जाता था कि वह किसी लायक नहीं हैं। वह अपने जीवन में कुछ नहीं कर सकते हैं। दरअसल, उनका एक पुराना वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें राजामौली इस बात को बता रहे हैं कि कैसे उनके परिवार ने शुरू में संघर्ष किया। उनकी भाभी जिन्हें वो मां समान मानते हैं, उनकी कही एक बात ने निर्देशक की जिंदगी बदल दी।

एसएस राजामौली का एक पुराना वीडियो वायरल हो रहा है। इसमें निर्देशक कह रहे हैं, हमने एक बहुत अमीर परिवार के रूप में शुरुआत की। मेरे पिता के पास कर्नाटक में एक जगह 360 एकड़ जमीन थी। मैं जब 10-11 साल का हुआ, तब तक सब कुछ बिक चुका था। उन्होंने सब कुछ खो दिया था। हम चेन्नई गए। परिवार में 13 लोग थे और हम एक बेडरूम वाले अपार्टमेंट में रह रहे थे। उन्होंने कहा,हमें हर दिन यही चिंता रहती थी कि किराया कैसे चुकाएंगे। मेरे बड़े भाई पूरे परिवार में एकमात्र कमाने वाले थे और यही वह समय था, जब उनकी शादी हो गई। हम अपनी भाभी को अम्मा कहते हैं, हमने उन्हें कभी भाभी नहीं कहा। निर्देशक ने कहा, मैं जब 22 साल का था, तब तक मैं कुछ नहीं कर रहा था। पांच साल से मेरे पिता मुझसे कुछ करने के लिए कह रहे थे।

निर्देशक ने कहा, मेरी एक चाची मुझे डांटती थीं और कहती थीं कि वह कुच नहीं कर सकते। राजामौली बेकार हैं। तभी मेरी भाभी ने मुझसे कहा कि मैं नहीं चाहती कि मेरे बेटे को कोई बुरे नाम से बुलाए। बस यही बात उन्होंने मुझसे कही। इसके बाद मैंने अचानक अपनी जिंदगी को गंभीरता से लेना शुरू कर दिया और गंभीरता से काम करना शुरू कर दिया था। एसएस राजामौली ने चेन्नई और आंध्र प्रदेश में कई निर्देशकों के साथ बतौर सहायक काम किया। फिल्म स्टूडेंट नंबर 1 में निर्देशक बनने से पहले उन्होंने अपने पिता विजयेंद्र प्रसाद की भी सहायता की, जिसमें जूनियर एनटीआर मुख्य भूमिका में थे। उन्होंने सिम्हाद्री में जूनियर एनटीआर के साथ फिर से काम किया। प्रभास की छत्रपति से उन्हें लोकप्रियता मिली थी। हालांकि, राम चरण स्टारर मगधीरा ने उन्हें खास पहचान दी। इसके बाद उन्होंने कई बड़ी हिट फिल्में दीं।

अक्षय कुमार यूएई पहुंचकर पहले हिंदू मंदिर के दर्शन किए....ये सेलेब भी आए नजर

नई दिल्ली । बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमारबुधवार के दिन अबू धाबी पहुंचे। उन्होंने अबू धाबी पहुंचकर नए बोचासनवासी अक्षर पुरुषोत्तम स्वामीनारायण मंदिर(बीएपीएस संस्था) का उद्घाटन समारोह अटेंड किया और यूएई के पहले हिंदू मंदिर के दर्शन किए। इस दौरान, अक्षय कुमार आइवरी कलर का कुर्ता पायजामा पहने नजर आए। अक्षय कुमार के अलावा इस कार्यक्रम में ग्रैमी पुरस्कार विजेता संगीतकार शंकर महादेवन भी शामिल हुए।

क्या बोले शंकर महादेवन?

सोशल मीडिया पर अक्षय कुमार का वीडियो भी सामने आया है। इस वीडियो में सिक्योरिटी से घिरे अक्षय कुमार मंदिर की तरफ बढ़ते दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने तो कुछ नहीं कहा, लेकिन शंकर महादेवन ने एएनआई को इंटरव्यू जरूर दिया। संगीतकार ने कहा, 'यह भारत और दुनिया भर के सभी भारतीयों के लिए बेहद खुशी का क्षण है। यह हमारे जीवन का एक ऐतिहासिक क्षण है जहां हम अबू धाबी जैसी भूमि पर एक भव्य और आध्यात्मिक मंदिर के साक्षी बनने जा रहे हैं। इसे केवल हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ही क्रियान्वित कर सकते हैं।

राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा में नहीं पहुंचे थे अक्षय

अक्षय पिछले महीने जॉर्डन में अपनी अपकमिंग फिल्म की शूटिंग कर रहे थे इसलिए वह 22 जनवरी को उत्तर प्रदेश के अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन में नहीं पहुंच पाए थे। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा कर लोगों को राम मंदिर की शुभकामनाएं दी थीं। इस वीडियो में उनके साथ 'बड़े मियां छोटे मियां' के को-स्टार टाइगर श्रॉफ भी थे।

जियो सिनेमा नहीं डंकी ने इस ओटीटी प्लेटफॉर्म पर दी दस्तक, शाहरुख खान ने साझा किया उत्साह

राजकुमार हिरानी के निर्देशन में बनी शाहरुख खान अभिनीत फिल्म डंकी पिछले साल सिनेमाघरों में रिलीज हुई और शानदार बॉक्स ऑफिस कलेक्शन करने में सफल रही। वहीं, जो दर्शक सिल्वर स्क्रीन पर इसका लुत्फ नहीं उठा सके थे, वो इसकी ओटीटी रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। हालांकि, अब यह इंतजार खत्म हो चुका है। डंकी ओटीटी प्लेटफॉर्म पर दस्तक दे चुकी है। आइए जानते हैं कि मूवी किस ओटीटी प्लेटफॉर्म पर स्ट्रीम हो रही है- कुछ घंटे पहले ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स ने शाहरुख खान का एक वीडियो जारी कर फैंस का उत्साह बढ़ा दिया था। सुपरस्टार ने कहा कि मंच पर जल्द ही कुछ विशेष आने वाला है, जिससे नेटिजन्स के बीच बड़ी चर्चा हुई। अब यह विशेष नेटफ्लिक्स पर आ चुका है, और यह कुछ और नहीं शाहरुख खान, तापसी पन्नू अभिनीत फिल्म डंकी है। डंकी अब अंग्रेजी सब-टाइटल के साथ हिंदी ऑडियो में डिजिटल प्लेटफॉर्म पर स्ट्रीम हो रही है। हालांकि, ऐसी चर्चा थी कि फिल्म का प्रीमियर जियो सिनेमा पर होगा, लेकिन ऐसा नहीं हो सका। वास्तविक जीवन की घटनाओं से प्रेरित डंकी प्यार और दोस्ती की एक गाथा है, जो बेतहाशा असमान कहानियों को एक साथ जोड़ती है। निर्देशक राजकुमार हिरानी, जो मुद्दों को कॉमेडी और भावना के साथ मिश्रित करने की अपनी क्षमता के लिए जाने जाते हैं, इस फिल्म में भी अपने शानदार निर्देशन की छाप छोड़ते नजर आए हैं। डंकी अवैध रूप से अपने पसंदीदा देश में घुसने की प्रक्रिया यानी डंकी फ्लाइट्स पर आधारित है। डंकी की ओटीटी रिलीज पर अपनी खुशी जाहिर करते हुए किंग खान कहते हैं, डंकी एक विशेष फिल्म है, और यह मेरे दिल के बहुत करीब है। हम आभारी हैं कि हम इस खूबसूरत कहानी को नेटफ्लिक्स के माध्यम से दुनिया भर के दर्शकों के साथ साझा कर सकते हैं। फिल्म भावनाओं की एक रोलरकोस्टर सवारी है, और मुझे उम्मीद है कि दोस्तों के एक समूह की यह असाधारण यात्रा विश्व स्तर पर दिल जीतेगी।राजकुमार हिरानी के निर्देशन में बनी फिल्म डंकी को अद्भुत अभिनय से भरपूर इसके प्यारे कथानक के लिए दर्शकों से बहुत प्यार मिला है। फिल्म में शाहरुख खान के अलावा तापसी पन्नू, विक्की कौशल, बोमन ईरानी, विक्रम कोचर और अनिल ग्रोवर जैसे शानदार कलाकार हैं।

गेहूं का सरकारी स्टाक 2017 के बाद निचले स्तर पर, काबुली चना तेज

चालू महीने के आरंभ में भारतीय खाद्य निगम (एफसीआइ) के पास 343 लाख टन खाद्यान्न का स्टाक उपलब्ध था, जिसमें 210 लाख टन से कुछ अधिक चावल और 132 लाख टन से कुछ ज्यादा गेहूं की मात्रा शामिल थी। जनवरी के आरंभ में गेहूं का स्टाक 154 लाख टन रहा था। इस तरह गेहूं का स्टाक 1 फरवरी 2023 के मुकाबले 14 प्रतिशत और 1 जनवरी 2024 की तुलना में 19 प्रतिशत घट गया।विश्लेषकों के अनुसार केन्द्रीय पूल में कई कारणों से गेहूं के स्टाक में भारी गिरावट रही है। खुले बाजार बिक्री योजना (ओएमएसएस), मुफ्त खाद्यान्न वितरण स्कीम और भारत आटा की बिक्री की योजना आदि शामिल है। ओएमएसएस के तहत सरकार ने 101 लाख टन गेहूं बेचने का प्लान बनाया है जिसमें से 80 लाख टन की बिक्री 7 फरवरी 2024 तक हो चुकी थी। 28 जून 2023 से इस योजना के तहत गेहूं की साप्ताहिक नीलामी शुरू हुई थी। 2022-23 में 33 लाख टन गेहूं बेचा गया था।

केंद्रीय पूल में गेहूं का स्टाक घटकर गत सात वर्षों के निचले स्तर पर आ गया है लेकिन फिर भी न्यूनतम आवश्यक बफर मात्रा से ज्यादा है। 1 जनवरी को कम से कम 108 लाख टन गेहूं का बफर स्टाक मौजूद रहना आवश्यक है। गेहूं की सरकारी खरीद आमतौर पर 1 अप्रैल से शुरू होती है जबकि इस बार कुछ राज्य में मार्च से ही आरंभ करने का निर्णय लिया गया है। गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) भी 2022-23 सीजन के 2125 रुपये प्रति क्विंटल से 150 रुपये बढ़ाकर 2023-24 के सीजन हेतु 2275 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है।सरकार ने इस बार 1140 लाख टन गेहूं के उत्पादन का लक्ष्य नियत किया है। कृषि मंत्रालय के अनुसार 2022-23 के सीजन में 1105 लाख टन गेहूं का उत्पादन हुआ था। कुछ राज्यों में गेहूं की फसल अच्छी हालत में है जिससे वहां बेहतर उत्पादन की उम्मीद की जा रही है, लेकिन वहां अगले कुछ सप्ताहों का मौसम अनुकूल रहना आवश्यक है। 31 मार्च 2024 तक गेहूं पर भंडारण सीमा का आदेश लागू है इसलिए व्यापारी तथा मिलर्स-प्रोसेसर्स की खरीद सीमित रहेगी।यदि भंडारण सीमा की अवधि आगे नहीं बढ़ाई जाती है तो गेहूं का बाजार भाव मजबूत रह सकता है, लेकिन अगर भंडारण सीमा अप्रैल-मई में भी बरकरार रही तो हाजिर बाजार में इसका स्टाक काफी घट सकता है। उम्मीद की जा रही है कि मार्च के अंत में स्टाक सीमा को समाप्त किया जा सकता है।

काबुली चने में लेवाली जोरदार रहने और आवक बेहद कमजोर होने के कारण भाव में तेजी रही। बुधवार को काबुली चना 300-400 रुपये प्रति क्विंटल तक उछल गया। कंटेनर में डालर चना 40/42 16100, 42/44 15900, 44/46 5700, 58/60 15000, 60/62 14900, 62/64 14800 रु. क्विंटल पर पहुंच गया।

दलहन- चना कांटा 6100-6150 विशाल 6050 नया विशाल 5750-6000 डंकी 5600-5800 मसूर 5950 तुवर महाराष्ट्र सफेद 9900-10100 कर्नाटक 10200-10300 निमाड़ी तुवर 9000-9500 मूंग 9000-9300 बारिश का मूंग नया 9200-10000 एवरेज 7000-8000 उड़द बेस्ट 8800-9500 मीडियम 7000-8000 हलका उड़द 3000-5000 गेहूं मिल क्वालिटी 2500-2550 मालवराज बेस्ट 2400-2525 लोकवन 2650-3150 पूर्णा 2650-3150 रुपये क्विंटल के भाव रहे।

दालों के दाम- चना दाल 7800-7900 मीडियम 8000-8100 बेस्ट 8200-8300 मसूर दाल 7400-7500 बेस्ट 7600-7700 मूंग दाल 10700-10700 बेस्ट 10800-10900 मूंग मोगर 11200-11300 बेस्ट 11400-11500 तुवर दाल 12000-12100 मीडियम 13000-13100 बेस्ट 14100-14200 ए. बेस्ट 15100- 15200 पैक्ड तुवर दाल नई 15200 उड़द दाल 10800-10900 बेस्ट 11000-11100 उड़द मोगर 11000-11100 बेस्ट 11200-11300. क्विंटल।

इंदौर चावल भाव- दयालदास अजीतकुमार छावनी के अनुसार बासमती (921) 11500-12500, तिबार 10000-11000, बासमती दुबार पोनिया 8500-9500, मिनी दुबार 7500-8500, मोगरा 4500-7000, बासमती सेला 7000-9500 कालीमूंछ डिनरकिंग 8500, राजभोग 7500, दुबराज 4500-5000, परमल 3200-3400, हंसा सेला 3400-3600, हंसा सफेद 2800-3000, पोहा 4300-4700 रु. क्विंटल।

इंदौर सराफा बाजार सहित रतलाम व उज्जैन में क्या है सोने-चांदी के भाव जाने यहां

जनवरी में उम्मीद से अधिक महंगाई दर के आंकड़े आने के कारण यह आशंका बढ़ गई कि फेडरल रिजर्व ब्याज दरों को लंबे समय तक ऊंचा रखेगा। बुधवार को कामेक्स पर सोना 32 डालर घटकर 2000 डालर से नीचे 1993 डालर प्रति औंस और चांदी 76 सेंट घटकर 22.10 डालर प्रति औंस पर कारोबार करती देखी गई। इससे इंदौर सराफा में भी सोना केडबरी 600 रुपये घटकर 63250 रुपये प्रति दस ग्राम और चांदी 1950 रुपये घटकर 70500 रुपये प्रति किलो रह गई। मंगलवार को उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) मुद्रास्फीति डेटा से पता चला कि अमेरिकी मुद्रास्फीति जनवरी में उम्मीद से अधिक बढ़ी, जिससे फेड की हालिया चेतावनियों को बल मिला कि स्थिर मुद्रास्फीति बैंक को ब्याज दरों में कटौती करने से रोकेगी। व्यापारियों को फेड द्वारा प्रारंभिक ब्याज दरों में कटौती के लिए लगातार प्रयास करते देखा गया, जिससे निकट अवधि में सोने में सुधार की बहुत कम गुंजाइश रह गई है। मंगलवार की रात रीडिंग के बाद डालर तीन महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया, जिससे सोने पर और दबाव पड़ा। कामेक्स सोना ऊपर में 1993 नीचे में 1986 डालर प्रति औंस और चांदी ऊपर में 22.10 नीचे में 21.93 डालर प्रति औंस पर कारोबार करता देखा गया। सोना केडबरी रवा नकद में 63250 सोना (आरटीजीएस) 63100 सोना (91.60 कैरेट) 57800 रुपये प्रति दस ग्राम बोला गया। मंगलवार को सोना 63850 रुपये पर बंद हुआ था। चांदी चौरसा 70500 चांदी टंच 70600 चांदी चौरसा (आरटीजीएस) 70275 रुपये प्रति किलो बोली गई। मंगलवार को चांदी 72450 रुपये पर बंद हुई थी।रतलाम सराफा में चांदी चौरसा 70900, टंच 71000, सोना स्टैंडर्ड 63200, रवा 63150 रुपये। (आरटीजीएस भाव) उज्जैन सराफा में सोना स्टैंडर्ड 63350, सोना रवा 63250, चांदी पाट 70700, चांदी टंच 70600, सिक्का 800।

भारतीय और चाइनीज कंपनियों पर प्रतिबंध लगाने की तैयारी में यूरोपीय संघ

जर्मनी । यूरोपीय संघ भारतीय-चाइनीज (समेत कई अन्य देशों की कंपनियों पर प्रतिबंध लगाने की तैयारी कर रहा है। यूरोपीय संघ का आरोप है कि ये कंपनियां यूक्रेन के खिलाफ लड़ाई में रूस की मदद कर रही हैं। यूरोपीय संघ ने इन कंपनियों पर प्रतिबंध का प्रस्ताव दिया है और अगर ये प्रस्ताव सभी सदस्य देश पारित कर देते हैं तो ये पहली बार होगा, जब चीन की कंपनी पर यूरोपीय संघ सीधा प्रतिबंध लगाएगा। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, यूरोपीय संघ जिन कंपनियों पर प्रतिबंध की तैयारी कर रहा है, उनमें हॉन्ग-कॉन्ग, सर्बिया, भारत, तुर्किए और चीन की कंपनियां शामिल हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के हवाले से यह खबर सामने आयी है। हालांकि कानूनी कारणों से कंपनियों के नामों का खुलासा नहीं किया गया है। कंपनियों पर प्रतिबंध का मतलब ये होगा कि जिन कंपनियों पर प्रतिबंध लगेगा, वो भविष्य में यूरोप की कंपनियों के साथ व्यापार नहीं कर पाएंगी। यूरोपीय संघ का आरोप है कि रूस इन्हीं थर्ट पार्टी कंपनियों की मदद से प्रतिबंधित सामान की खरीद कर रहा है, जो प्रतिबंधों की वजह से उसे सीधे नहीं मिल पा रहा है।

चीनी कंपनियों पर प्रतिबंध लगाने से हिचकिचा रहा यूरोपीय संघ- यूरोपीय संघ ने यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में रूस की मदद के आरोप में पहले भी कई चीनी कंपनियों पर प्रतिबंध का प्रस्ताव रखा था, लेकिन वह प्रस्ताव कई सदस्य देशों के विरोध के बाद खारिज कर दिया गया था। साथ ही चीन ने भी वादा किया था कि वह रूस की मदद नहीं करेगा। बता दें कि चीन, यूरोप के कई देशों का अहम व्यापारिक साझेदार है। यूरोपीय संघ के प्रमुख देश जर्मनी की कारों के लिए चीन की सबसे बड़ा बाजार है। यही वजह है कि यूरोपीय संघ के कई देश चीनी कंपनियों पर प्रतिबंध लगाने से हिचकिचा रहे हैं। जिन कंपनियों पर प्रतिबंध लगाने की तैयारी है, उनमें अधिकतर कंपनियां तकनीकी और इलेक्ट्रोनिक्स कंपनियां हैं। कंपनियों पर आरोप है कि इन्होंने रूस के सैन्य और तकनीकी तौर पर मजबूत होने में मदद की और रूस के रक्षा और सुरक्षा सेक्टर के विकास में योगदान दिया। बीते साल अप्रैल में यूरोपीय संघ की अध्यक्ष उर्सुला वोन डेर लिन ने बीजिंग का दौरा किया था और उस दौरान चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ मुलाकात में रूस यूक्रेन युद्ध को लेकर अपनी चिंताओं से उन्हें अवगत कराया था। यूरोपीय संघ जिन कंपनियों पर प्रतिबंध की तैयारी कर रहा है, उनमें तीन कंपनियां चाइनीज, एक भारतीय, एक श्रीलंकाई, सर्बिया, कजाखस्तान, थाईलैंड, तुर्किए और हॉन्ग कॉन्ग की कंपनियां शामिल हैं।

बिहार के 1585 केंद्रों पर आज से मैट्रिक परीक्षा
लेट से पहुंचने वाले भूल से भी यह गलती न करें

बिहार में आज से मैट्रिक परीक्षा शुरू हो रही है। बिहार विद्यालय परीक्षा समिति की ओर इसको लेकर सारी तैयारी पहले ही पूरी कर ली गई है। राज्य के कई इलाकों में बारिश के बाद गुरुवार सुबह पटना समेत कई इलाकों में छाए घना कोहरे के बीच स्टूटेंड परीक्षा केंद्र पर पहुंचे। यहां पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। बिहार बोर्ड 1585 परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा ले रही है। इस बार 16 लाख 94 हजार 781 बच्चे मैट्रिक परीक्षा दे रहे। इनमें 8 लाख 22 हजार 587 छात्र और 8 लाख 72 हजार 194 छात्राएं शामिल होंगी। इस बार छात्राओं की संख्या छात्रों से 49 हजार 607 छात्र अधिक हैं। बिहार बोर्डर ने स्पष्ट कह दिया है कि परीक्षा शुरू होने से 30 मिनट पहले छात्रों को प्रवेश करना होगा।

बिहार बोर्ड इस बार भी दो पाली में परीक्षा ले रही है। पहली पाली में 8 लाख 50 हजार 571 परीक्षार्थी और दूसरी पाली में 8 लाख 44 हजार 210 परीक्षार्थी शामिल हो रहे। इधर, पटना में 70 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। यहां 75 हजार 850 परीक्षा शामिल हो रहे। पहली पाली 38 हजार 185 परीक्षार्थी और दूसरी पाली में 37 हजार 663 शामिल हो रहे। पहली पाली की परीक्षा सुबह साढ़े नौ बजे से और दूसरी पाली की परीक्षा दो बजे से ली जा रही है। परीक्षा केंद्र पर इलेक्ट्रॉनिक उपकरण ले जाने की मनाही है। केवल सूई वाली घड़ी पहनने की छूट है।बिहार विद्यालय परीक्षा समिति (बिहार बोर्ड) उन मैट्रिक परीक्षार्थियों पर दो साल का बैन लगा देगा, जो दीवार या गेट फांदकर घुसने के दोषी पाए जाएंगे। गुरुवार से शुरू हो रही मैट्रिक परीक्षा से यह फैसला लागू कर दिया गया है। बिहार बोर्ड की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में साफ लिखा गया है कि समय के बाद इस तरह परीक्षा केंद्र में प्रवेश करने का प्रयास आपराधिक कृत्य है और अब इसके लिए सजा के रूप में दो साल परीक्षा देने से रोक का फैसला लिया गया है।

आईसीसी वनडे रैंकिंग में शाकिब को पीछे छोड़ नंबर 1 ऑलराउंडर बने मोहम्मद नबी

नई दिल्ली । अफगानिस्तान के मोहम्मद नबी बुधवार को आईसीसी वनडे रैंकिंगमें बांग्लादेश के शाकिब अल हसन को हटाकर नंबर 1 ऑलराउंडर बन गए। इससे पहले शाकिब पांच साल से अधिक समय तक शीर्ष पर रहे थे। शाकिब ने पिछले साल भारत में एकदिवसीय विश्व कप के बाद से बांग्लादेश के लिए नहीं खेला है, और आंख की समस्या के कारण उन्हें श्रीलंका के खिलाफ आगामी सफेद गेंद श्रृंखला से बाहर कर दिया गया है। हालाँकि, वह मौजूदा बांग्लादेश प्रीमियर लीग सीज़न में रंगपुर राइडर्स के लिए खेल रहे हैं। पल्लेकेले में तीन मैचों की श्रृंखला के शुरुआती वनडे में श्रीलंका के खिलाफ 136 रनों की पारी के बाद नबी ने शीर्ष स्थान हासिल किया। 382 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए, एक समय 55 रन पर 5 विकेट खोकर संघर्ष कर रही अफगानी टीम के लिए सातवें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए नबी ने शानदार शतक लगाया, साथ ही अज़्मतुल्लाह उमरज़ई ने भी नाबाद 149 रन की पारी

खेली, हालांकि इसके बाद भी टीम को 42 रन से हार का सामना करना पड़ा। नबी ने उसी खेल में एक विकेट भी लिया और आईसीसी की नवीनतम वनडे गेंदबाजों की रैंकिंग में एक स्थान ऊपर चढ़कर सातवें स्थान पर पहुंच गए। दक्षिण अफ्रीका के बाएं हाथ के स्पिनर केशव महाराज गेंदबाजों में अग्रणी बने हुए हैं, श्रीलंका के वानिंदु हसरंगा 14 स्थान के फायदे से 26वें और दिलशान मदुशंका चार स्थान के फायदे से 33वें स्थान पर हैं। बल्लेबाजी सूची में, श्रीलंका के चैरिथ असलांका दूसरे वनडे में नाबाद 97 रन की बदौलत पांच स्थान ऊपर चढ़कर 15वें स्थान पर पहुंच गए। शुरुआती मैच में नाबाद 210 रन की पारी खेलने के बाद पथुम निसांका 10 स्थान की छलांग लगाकर 18वें स्थान पर पहुंच गए। इस बीच, टेस्ट गेंदबाजी चार्ट में, माउंट माउंगानुई में श्रृंखला के शुरुआती मैच में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ छह विकेट लेने के बाद न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज काइल जैमीसन छह स्थान ऊपर चढ़कर आठवें स्थान पर पहुंच गए। वह टेस्ट ऑलराउंडरों की सूची में भी दो स्थान ऊपर चढ़कर 13वें स्थान पर पहुंच गए।

भारत के खिलाफ तीसरे टेस्ट के लिए मार्क वुड की इंग्लिश टीम में वापसी, बशीर बाहर

राजकोट । इंग्लैंड ने भारत के खिलाफ गुरुवार से राजकोट । में शुरु हो रहे तीसरे टेस्ट मैच के लिए अपने अंतिम एकादश की पुष्टि कर दी है। टीम में ऑफस्पिनर शोएब बशीर की जगह तेज गेंदबाज मार्क वुड को शामिल किया गया है। वह शुरुआती एकादश में एकमात्र बदलाव हैं। वुड ने हैदराबाद में पहले टेस्ट में इंग्लैंड की तरफ से एकमात्र तेज गेंदबाज के रुप में खेला था, लेकिन वह इस मैच में विकेट नहीं ले सके थे, यह मैच इंग्लैंड ने जीता था। वुड के अलावा अनुभवी तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन को भी शामिल किया गया है, जिन्होंने पिछले हफ्ते विशाखापत्तनम में पांच विकेट लेकर प्रभावित किया था। दूसरे टेस्ट में पदार्पण पर चार विकेट लेने के बाद बशीर बाहर बैठे हैं। इसका मतलब है कि पिछले दो मैचों के मुकाबले इंग्लैंड श्रृंखला में पहली बार दो तेज गेंदबाजों के साथ खेलेगा। कप्तान स्टोक्स और मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम ने पिच को आखिरी बार देखने के बाद वुड के रुप में

अतिरिक्त तेज गेंदबाज को शामिल करने का फैसला किया। वे पिच में दरारों से प्रभावित थे, उनका मानना है कि जैसे-जैसे टेस्ट आगे बढ़ेगा, असमान उछाल आएगा। स्टोक्स ने यहां पत्रकारों से कहा, मैं जानता हूं कि यह बहुत समय पहले की बात है जब हम यहां खेले थे, लेकिन यह एक अच्छा विकेट दिखता है। हमें पूरा यकीन नहीं था कि हम टीम के साथ क्या करने जा रहे हैं, लेकिन आज हमें एहसास हुआ कि हम निश्चित रूप से दो सीमरों के साथ जाने वाले हैं। यह विकेट अच्छा है और थोड़ा सपाट है। पांच दिनों में, यहां असमान उछाल हो सकता है। कुछ रिवर्स स्विंग हो सकती है जिसका फायदा वुड और एंडरसन को मिल सकता है। तीसरे टेस्ट मैच के लिए इंग्लैंड की टीम इस प्रकार है- जैक क्रॉली, बेन डकेट, ओली पोप, जो रूट, जॉनी बेयरस्टो, बेन स्टोक्स (कप्तान), बेन फॉक्स (विकेटकीपर), रेहान अहमद, टॉम हार्टले, मार्क वुड, जेम्स एंडरसन।

योगाभ्यास के दौरान अक्सर होती हैं ये गलतियां, अधिकतर लोगों को पता ही नहीं

योग से शारीरिक स्वास्थ्य में सुधार होता है। शारीरिक क्षमता को बढ़ाने और मानसिक स्वास्थ्य में सुधार लाने के लिए नियमित योगाभ्यास करना चाहिए। योग मानसिक तनाव को कम करने में मदद करता है। योग रोग प्रतिरोध में मदद करता है और शरीर को विभिन्न बीमारियों से बचाता है। बशर्ते योगाभ्यास का सही तरीका अपनाया जाए। नियमित तौर पर सही समय और सही तरीके से किया गया योग ही सकारात्मक असर डालता है, अन्यथा योगाभ्यास के दौरान गलतियां शरीर को नुकसान भी पहुंचा सकती हैं। अधिकतर लोग जाने-अनजाने योगाभ्यास के दौरान कुछ सामान्य गलतियां करते हैं, जो नुकसानदायक हो सकती है। यहां जानें योगाभ्यास के दौरान किन गलतियों को करने से बचना चाहिए।अक्सर लोगों को लगता है कि आसन सामान्यत- बैठ कर की जाने वाली क्रिया है, जिसमें शारीरिक श्रम अधिक नहीं होता। इसलिए योग करने से पहले भोजन किया जा सकता है। लोग खाने पीने के बाद योग क्रिया करते हैं। लेकिन भरे पेट योगाभ्यास करने से फायदे मिलने की जगह नुकसान होने की संभावना बढ़ जाती है। पेट में बहुत अधिक भोजन या पानी रखना दोनों सेहत के लिए ठीक नहीं है।

फोन और योग *व्यस्त जीवनशैली के कारण दो काम एक साथ करना सामान्य हो गया है। योग करते समय मोबाइल फोन का इस्तेमाल, जैसे फोन पर बात करना, बीच-बीच में टेक्स्ट करना आदि, सामान्य है। लेकिन योग ध्यान क्रिया है, जिसमें फोन का उपयोग योगी के ध्यान को भटकाता है।*

सही तरीका- *बेहद जरूरी है कि योग करते समय फोन को कम से कम एक घंटे के लिए फोन साइलेंट कर लिया जाए। मोबाइल को एक घंटे के लिए ही सही खुद से दूर कर दें ताकि दिमागी तनाव कम किया जा सके और मन भ्रमित या ध्यान भटकने से रोका जा सके।*

श्वास पर ध्यान न देना *योग क्रिया श्वास पर आधारित होती है। योग करते समय सांसों के पैटर्न को नियंत्रित करना बहुत जरूरी है। लेकिन योगी कई बार योग क्रिया के अनुसार सांसों की गति को अनदेखा कर देते हैं। वह श्वास रोककर योगाभ्यास करते हैं या सांस अंदर या बाहर लेने-छोड़ने का तरीका गलत अपनाते हैं।*

कटनी के जीआरपी ने ज़ेवर और नगदी चोरी के मामले का किया खुलासा

ज़ेवर जब्त करते हुए 3 चोरों को अरेस्ट किया

सिटी चीफ। सुनील यादव

कटनी, कटनी जिले की जीआरपी थाना प्रभारी अरूणा वाहने ने अपने पुलिस बल के साथ लोकमान्य तिलक गोदान एक्सप्रेस में 5 लाख के ज़ेवर और नगदी चोरी के मामले का खुलासा किया है। वही चोरी हुए 4 लाख 50 हज़ार रुपए के सोने चांदी के ज़ेवर जब्त करते हुए 3 चोरों को अरेस्ट किया है।

जीआरपी पुलिस थाना प्रभारी अरुणा वाहने ने बताया की समीरा खातून पति मोहम्मद खालिद उम्र 42 साल निवासी भीकपुर मेडवारा प्रयागराज उत्तर प्रदेश अक्तूबर 23 को ट्रेन 11059 लोकमान्य तिलक छपरा गोदान एक्स के एसी कोच के बर्थ 1,2,3 पर अपने बच्चों अमीना व जैद के साथ लोकमान्य तिलक से प्रयागराज की यात्रा कर रही थी। यात्रा के दौरान अज्ञात बदमाश के द्वारा उनका काले रंग का लेडीज पर्स जिसमें नगदी 20 हजार रुपये,

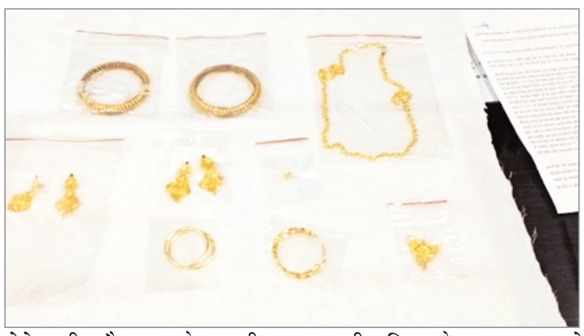

सोने की चैन, लाकेट, तीन जोडी बाली, दो जोडी लटकन, दो सोने की चूड़ियां, एक नाक की कील कुल कीमती 5 लाख रुपये का सामान अज्ञात बदमाश के द्वारा रेलवे स्टेशन कटनी के पहले आउटर में ट्रेन रुकने पर चोरी कर लिया गया था। उक्त महिला के द्वारा चोरी की रिपोर्ट रेल पुलस थाना प्रयागराज में कराई गई थी। डायरी प्राप्त होने पर रेल पुलिस थाना कटनी में धारा 379 ताहि के तहत प्रकरण दर्ज किया गया। 13 फरवरी 23 को रात्रि के समय तीन लोगो के गायत्री पुलिया के पास आपस मे रूपयो के लेनदेन को लेकर विवाद की सूचना मिलने पर मौके पर स्टाफ के साथ पहुंचकर देखा तो थाने के पूर्व अपराधी विल्ला उर्फ विल्लू चौधरी, सुमित उर्फ अतुल वंशकार के साथ एक अन्य जो अपना नाम पूछने पर रवि निषाद होना बताया आपस में विवाद कर रहे थे। जिन्हें जीआरपी थाने लाकर पूछताछ करने पर दिनांक 25 अक्तूबर 2023 को दशहरा के दिन की रात्री में की गई चोरी का राज खुला। आरोपियों ने चोरी का माल अपने घरो में छुपाकर रखा था। उन्होंने चोरी की चूड़िया एक अन्य अन्य साथी रवि निषाद को बेचने की बात बताई। बताये अनुसार सोने की दो चूड़िया कीमती 1 लाख 91हजार 400 रूपये, सोने की दो जोड वाली, एक जोड झाला व एक नाक की कील कुल कीमती 118800 रूपये का विल्ला उर्फ विल्लू चौधरी के पास से एवं एक जोड़े झाला, एक सोने की चेन, एक पेण्डल कुल कीमती 135300 रूपये का सुमित उर्फ अतुल वंशकार के पास से जप्त किया गया। आरोपी विल्ला व सुमित वंशकार को धारा 379 भादवि के तहत व आरोपी रवि निषाद को धारा 411 भादवि के तहत गिरफ्तार किया गया है जिनके कब्जे से कुल 4 लाख 45 हज़ार 5 सौ रुपए के चोरी के जेवरात जप्त किये गये हैं। जिन्हें माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।

पूर्व भाजपा मन्डल अध्यक्ष व सोसायटी अध्यक्ष जनार्दन शुक्ला ने अपने सरपंच पुत्र बहु को ग़रीबी रेखा में शामिल कर आंगनवाडी में करवाया भर्ती

विधवा महिला भर्ती के खिलाफ पहुंची कलेक्टर जनसुनवाई में लगाई कलेक्टर से गुहार

सिटी चीफ । श्री निवास मिश्रा

मैहर, भाजपा नेता सोसायटी अध्यक्ष और सरपंच बेटे ने कूटरचित दस्तावेजो के सहारे छीना बेबा महिला का अधिकार,तो विधवा महिला ने मैहर कलेक्टर रानी बाटड से जनसुनवाई में पहुंचकर भर्ती में हुई गड़बड़ी को लेकर कलेक्टर से न्याय की गुहार लगाई,उक्त महिला ने बताया कि तथाकथित भाजपा नेता जनार्दन शुक्ला और उसके सरपंच बेटे ने मिलकर कूटरचित दस्तावेजो के सहारे अपनी बहू और पत्नी को आंगनवाड़ी में कार्यकर्ता बना दिया। उसी गाँव की जो पात्र बेबा महिला थी न्याय के लिए आज दर दर भटकने को मजबूर है। इस पद पर जब नियुक्ति के आदेश जारी किए गए थे उसी दौरान आपत्ति के लिए समय दिया गया था और उक्त पात्र महिला ने जनार्दन शुक्ला जिसे लगभग पूरा मैहर जानता है इस व्यक्ति का ओहदा और आर्थिक स्थित वर्षो से किस स्तर की है इसके बाबजूद भी इसने अपनी बहू को गरीबी रेखा के अंतर्गत कार्ड बनवा इस पद में मिलने वाले 10 नम्बर

दिलाने में सफल रहा जबकि उक्त महिला का पति वर्तमान में तिदुहटा ग्राम पंचायत का सरपंच है।

आइए अब इन बाप बेटों की गरीबी की तरफ नजर डालते है इसकी गरीबी का आंकलन हम अपने से बिल्कुल नही कर रहे बल्कि इसके सरपंच बेटे ने सरपंची का फार्म भरते समय जो सपथ पत्र दिया है उसमें साफ साफ इसने अपनी गरीबी का उल्लेख कर बताया है कि इसके पास लगभग 9 लाख रु की जमीन है और लगभग 9 लाख रु का सोना है साथ ही इसकी पत्नी के खाते में 80 हजार के लगभग नकदी जमा है। उक्त आंकड़े यह बताते है कि तथाकथित भाजपा नेता के लिए गरीबी रेखा का क्या पैमाना बदल गया जो उक्त घोषित संपत्ति का बाद भी यह परिवार गरीबी रेखा में जी रहा है। पूर्व में उक्त महिला का ससुर जनार्दन शुक्ला भी जिला पंचायत सदस्य का चुनाव लड़ा था जिसने अपनी संपत्ति कितनी घोषित की थी इसकी भी जानकारी हमारे तंत्र को जुटानी चाहिए।

अब सवाल यह उठता है कि जो पात्र बेबा महिला थी उसे न्याय कब और कैसे मिलेगा। महिला नियुक्ति के वक्त से ही लगातार आपत्ति लगा रही है लेकिन न्याय है कि उसे गुमराह कर भाग रहा है न्याय जहां एक जांच में हो जाना चाहिए कि उक्त महिला का घर बार व्यवस्था पति का सपथ पत्र जमीन प्रॉपर्टी की जांच से ही सबकुछ साफ हो जाना चाहिए उसे न्याय भटका रहा है अधिकारी भी मामले से कन्नी काट रहे है। तो भला महिला को न्याय कैसे मिलेगा। आखिर जनार्दन शुक्ला सहित उसके बहू बेटों को गरीबी आमजन के सामने कैसे आएगी। लेकिन मामले को सुन जानकर एकबात जरूर कह रही है कि हे भगवान जनार्दन शुक्ला के परिवार जैसी गरीबी सब को दे दे।

आगामी लोकसभा चुनाव 2024 की तैयारी के संबंध में 13 फरवरी को की गयी अंतर राज्यीय बॉर्डर मीटिंग

सिटी चीफ । सुरेश मुलेवा

झाबुआ, आगामी लोकसभा चुनाव 2024 की तैयारी के संबंध में कल दिनांक 13.02.2024 को गुजरात राज्य के जिला दाहोद में सीमावर्ती राज्य गुजरात, मध्य प्रदेश एवं राजस्थान के पुलिस अधिकारियों के मध्य अंतर राज्यीय समन्वय बैठक आहूत की गई। बैठक में. (1) श्री आर .वी.आसरी,उप पुलिस महानिरीक्षक गोधरा (2) डॉ. राजदीप सिंह झाला, पुलिस अधीक्षक दाहोद(3) श्री इम्तियाज शेख, पुलिस अधीक्षक छोटा उदयपुर(4) श्री अगम जैन, पुलिस अधीक्षक झाबुआ(5)श्री राजेश व्यास, पुलिस अधीक्षक अलीराजपुर उपस्थित हुए तथा श्री अभिजीत सिंह पुलिस अधीक्षक जिला बांसवाड़ा वर्चुअकली उपस्थित हुए। बैठक में आगामी लोकसभा चुनाव 2024 को दृष्टिगत रखते बॉर्डर पर विशेष चेकिंग एवं निगरानी रखे जाने पर चर्चा की गई 7 साथ ही सभी जिले के पुलिस अधीक्षक द्वारा अपने-अपने अनुविभागीय पुलिस

अधिकारी एवं थाना प्रभारी की सीमावर्ती अनुविभागी पुलिस अधिकारी एवं थाना प्रभारी की माह में एक बार बैठक आयोजित किए जाने की सहमति व्यक्त की गई। साथ ही सीमावर्ती क्षेत्र के दोनों राज्यों के गांव के बीट प्रभारियों को भी माह में एक बार बैठक आयोजित की जाकर विशेष नजर रखे जाने का निर्णय लिया गया। बैठक में स्थाई एवं फरारी वारंटी की धर-पकड़ हेतु विशेष अभियान चलाए जाने का निर्णय लिया गया 7 सभी पुलिस अधीक्षकों द्वारा अपने-अपने स्थाई-फरारी वारंटी की सूची का आदान-प्रदान किया गया। बैठक में गुजरात, राजस्थान एवं मध्य प्रदेश के सीमावर्ती जिलों के पुलिस अधिकारियों का एक व्हाट्सएप ग्रुप जो पहले से क्रियाशील है उसे और अधिक गतिशील बनाए जाने का निर्णय लिया गया जिससे छोटी से छोटी घटना होने पर तत्काल सूचना प्राप्त हो सके। लोकसभा चुनाव 2024 के दौरान तीनों राज्यों के नाकाबंदी स्थलों पर सीसीटीवी कैमरा लगाए जाने का भी निर्णय लिया गया।

महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा

28 फरवरी 2024 को वाहनों की नीलामी की जाएगी...

सिटी चीफ । सुरेश मुलेवा

झाबुआ, महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा वाहनों की विक्रय हेतु खुले रूप से नीलामी की जायेगी। जिससे वाहन क्रमांक एमपी 02-5074 सरकारी बोली 28000 हजार एवं जीप आईसीडीएस झाबुआ में खड़ा किया गया है। वाहन क्रमांक एमपी 02-2921 को सरकारी बोली 24000 हजार रूपए एवं जीप आईसीडीएस को मेघनगर में खड़ा किया गया है। वाहन जहां जिस हालात में खड़ा हैं, उसी हालात में सौंपा जावेगा। वाहन का निरीक्षण अवकाश दिनों को छोड़कर कार्यालयीन समय में किया जा सकता है। निविदाकारों द्वारा प्रत्येक वाहन की धरोहर राशि 5000/- (रूपये पांच हजार मात्र) की राष्ट्रीयकृत बैंक की एफ0डी0आर0 कलेक्टर जिला झाबुआ के नाम से नीलामी बोली के पूर्व जिला नाजिर शाखा में जमा कराना होगा एवं वहीं व्यक्ति बोली में भाग ले सकेगा। खुली नीलामी 28 फरवरी 2024 को कलेक्टर कार्यालय झाबुआ में आयोजित की जावेगी। अतः नियम समय प्रातः 11ः00 बजे अनिवार्य रूप से उपस्थित होना होगा। जिस व्यक्ति की बोली स्वीकार होगी उसे नीलामी के दिन को मिलाकर 07 दिवस में सम्पूर्ण राशि कलेक्टर कार्यालय की नजारत शाखा में जमा कराना आवश्यक होगा तत्पश्चात् ही वाहन की डिलेवरी दी जावेगी। वाहन अंतिम रूप से निराकरण होने के पश्चात् सफल उच्चतम निविदाकर्ता स्वयं वाहन उठाएँगा तथा परिवहन विभाग के नियमों के अधीन पंजीयन आदि पर होने वाला व्यय स्वयं वहन करेंगा। निविदा स्वीकार/अस्वीकार करने का अंतिम निर्णय कलेक्टर झाबुआ का होगा, जो कि सर्वमान्य होगा जिसे किसी भी न्यायालय में चुनौती नहीं दी जा सकती हैं। उच्चतम निविदा वालों को छोड़कर अन्य निविदाकर्ता की धरोहर राशि वापस कर दी जावेगीं। सफल निविदाकर्ता को वाहन प्राप्ति के समय अपना पहचान पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

10 साल के इंतजार के बाद उज्जैन में आरटीओ भवन बनकर तैयार, लोकार्पण भी हुआ, लेकिन शिफ्टिंग का इंतजार

10 साल के इंतजार के बाद दाऊदखेड़ी में करोड़ों की लागत से आरटीओ का नया भवन बनकर तैयार हो चुका है। जिसका लोकार्पण भी करीब चार महीने पहले 2 अक्टूबर 2023 को किया जा चुका है, लेकिन अब तक नए भवन में आरटीओ कार्यालय की शिफ्टिंग नहीं हुई है। आरटीओ कार्यालय दाऊदखेड़ी के नए भवन में शुरू हो इसके लिए आरटीओ संतोष मालवीय हो या फिर पीईयू अधिकारी जतिन सिंह चुंडावत सभी अपने-अपने तर्क दे रहे हैं। लेकिन, कोई यह बताने को तैयार नहीं है कि आखिर नए भवन में आरटीओ कार्यालय कब से शुरू होगा।

भरतपुरी प्रशासनिक क्षेत्र में वर्षों से किराए की बिल्डिंग में क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय संचालित हो रहा है। जिसका हर महीने का किराया लगभग 90 हजार से 1 लाख रुपये है। आरटीओ के अधिकारियों की मेहनत के कारण लगभग 10 साल पूर्व इस विभाग को किराए के भवन से मुक्ति मिल गई थी। वर्ष 2014 में 6 करोड़ रुपए क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय का निर्माण करने और टेस्टिंग ट्रैक तैयार करने की स्वीकृति मिल गई थी। जिसकी निर्माण एजेंसी लोक निर्माण विभाग की पीआयू विंग से कराया गया था। इसके बाद से ही नए परिवहन कार्यालय के लिए जिला प्रशासन के साथ विभाग द्वारा करीब 8 से 10 बीघा आवश्यक जमीन की तलाश शुरू कर दी गई थी। लेकिन, नए भवन के लिए आवश्यक 8 से 10 बीघा जमीन देरी से मिली इस कारण प्रोजेक्ट की लागत में लगभग 1.31 करोड़ का इजाफा हो गया और निर्माण करीब 5 साल अटका रहा। बावजूद इसके क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी ने प्रयास जारी रखें और नतीजा यह हुआ कि अब उज्जैन में नया आरटीओ भवन बनकर तैयार है, जिसका लोकार्पण 2 अक्टूबर 2023 को किया जा चुका है। लेकिन, इस भवन में अब तक नया आरटीओ कार्यालय शिफ्ट नहीं किया गया है। नए भवन में आरटीओ कार्यालय शिफ्ट न किए जाने को लेकर आरटीओ संतोष मालवीय का कहना है कि पूर्व में किए गए निरीक्षण के दौरान हमें कुछ खामियां मिली थी, पीईयू के अधिकारी भवन में सभी प्रकार की सुविधा होने के बात कह रहे हैं। लेकिन, पहले हम इन कार्यों का निरीक्षण करेंगे, उसके बाद ही शिफ्टिंग का काम किया जाएगा। वहीं, पीईयू के अधिकारी जतिन सिंह चुंडावत का कहना है कि आरटीओ कार्यालय के भवन का कार्य पूर्ण हो चुका है, जो भी खामियां निरीक्षण के दौरान बताई गईं थीं, उन्हें ठीक कर दिया है। हमें इसी बात का इंतजार है कि जल्द से जल्द आरटीओ कार्यालय नए भवन में शिफ्ट हो जाए।

6 करोड़ का प्रोजेक्ट हो गया था 7 करोड़ 31 लाख का

साल 2014 में प्रोजेक्ट के लिए 6 करोड़ रुपये मंजूर होने के बाद करीब 4 साल भवन निर्माण के लिए जमीन तलाशने में लग गए। 2017-18 में दाऊदखेड़ी में लगभग तीन एकड़ जमीन उपलब्ध हो पाई। लेकिन, इस बीच प्रोजेक्ट की लागत 6 करोड़ से बढ़कर 7 करोड़ 31 लाख के करीब पहुंच गई। दाउदेखड़ी में जमीन आवंटित होने के बाद बीते सालों में कीमतों में इजाफा और नए एसओआर आने के कारण लागत बढ़ गई और फिर से काम अटक गया। विभाग ने 1.30 करोड़ का रिवाइज्ड ऐस्टिमेट परिवहन विभाग का भेजा, लेकिन स्वीकृति नहीं मिली। इसके बाद विभाग और तत्कालीन कलेक्टर भोंडवे द्वारा लगातार शासन व विभाग से मांग पत्र भेजे गए। जिसके बाद विभाग की ओर से एस्टिमेट को स्वीकृत कर राशि भेजी गई।

लोकनिर्माण विभाग अंतर्गत वृह्द् परियोजनाओं की समीक्षा बैठक

गुणवत्ता और सुरक्षा का विशेष ध्यान रखते हुए समय-सीमा में पूर्ण की जाए निर्माणाधीन परियोजनायें : मंत्री श्री सिंह

भोपाल, गुणवत्ता, सुरक्षा और समयबद्धता प्रदेश सरकार की प्राथमिकता है, इसमें किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। निर्माणाधीन परियोजनाओं को पारदर्शिता, गुणवत्ता और सुरक्षा का विशेष ध्यान रखते हुए समय सीमा में कार्य पूर्ण कराया जाना सुनिश्चित करें। मंत्री श्री सिंह ने लोक निर्माण विभाग की वृहद परियोजना की समीक्षा बैठक के दौरान कही। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों से संबंधित विभिन्न इकाई समन्वय बनाकर कार्य करें।

मंत्री श्री सिंह ने कहा कि लोकनिर्माण के कार्यों से लोककल्याण हो हम इस विज़न के साथ कार्य करें। निर्माण कार्यों की सतत मॉनिटरिंग की जाये। परियोजनाओं में देरी के कारणों का पता लगाएं और तत्काल समस्या का निराकरण कर परियोजनाओं को पूर्ण कराएं। गुणवत्ता एवं सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिये नियमित रूप से इंपैक्ट वैल्यू टेस्ट, क्यूब टेस्ट,

सिल्ट कंटेंट टेस्ट, रोड रिलेटेड टेस्ट, कंक्रीट कंप्रेसिव स्ट्रैंथ टेस्ट, स्लंप टेस्ट कराए जाएं। उन्होंने कहा कि विभाग अंतर्गत निर्माण कार्यों की विभिन्न यूनिट्स समन्वय बनाकर कार्य करें।

मंत्री श्री सिंह ने लोकनिर्माण विभाग अन्तर्गत भवन, सेतु, एमपीआरडीसी एवं एनएचएआई के द्वारा कराये जा रहे 100 करोड़ से अधिक लागत के निर्माण कार्यों की विस्तृत समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्दश दिये। उन्होंने सड़क निर्माण अन्तर्गत उज्जैन रिंग रोड, कोलार 6 लेन रोड, पद्मी रामनगर घुगनी सलवाद मार्ग की वर्तमान भौतिक प्रगति की समीक्षा कर कोलार 6 लेन में हो रही देरी के संबंध में जानकारी प्राप्त कर कार्यों को समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिये। मंत्री श्री सिंह ने सेतु निर्माण अन्तर्गत भोपाल मैदा मिल रोड फ्लाई ओवर, इंदौर एलिवेटेड कॉरिडोर निर्माण, भवन निर्माण अंतर्गत बुधनी मेडिकल कॉलेज, मंदसौर मेडिकल कॉलेज निर्माण, एनएचएआई अंतर्गत जबलपुर में एलिवेटेड कॉरिडोर एवं जबलपुर रिंग रोड के वर्तमान भौतिक प्रगति की समीक्षा कर समस्त कार्यों को समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिये। इस दौरान प्रमुख सचिव श्री डी.पी. आहूजा, सड़क विकास निगम के प्रबंध संचालक श्री अविनाश लवानिया और संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

मंत्री श्री शुक्ला ने ऊर्जा विकास निगम अध्यक्ष का पदभार ग्रहण किया

भोपाल, नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री राकेश शुक्ला द्वारा आज का म.प्र. ऊर्जा विकास निगम मुख्यालय भोपाल में अध्यक्ष पद पर पदभार ग्रहण किया गया मंत्री श्री शुक्ला द्वारा ऊर्जा भवन मे स्थित विभाग की संस्थओं कार्यालय-आयुक्त, नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा, मध्यप्रदेश ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड एंव रीवा अल्ट्रा मेगा सोलर लिमिटेड का अवलोकन / निरीक्षण किया गया एवं सभी कक्ष प्रभारियों / कर्मचारियों एवं अधिकारियों से मुलाकात कर संबंधित योजनाओं की जानकारी ली गई तथा विभाग के कार्यालयों को चुस्त-दुरूस्त एवं स्वच्छ रखने के निर्देश जारी किए। इस अवसर पर विभाग के कर्मचारी एवं अधिकारी उपस्थित रहें एवं माननीय मंत्री महोदय द्वारा कार्य की व्यापकता को देखते हुए सीमित स्टॉफ पर चिंता जाहिर की एवं इसके मुक्ति संगत उपयोग हेतु विवरण तैयार करने के निर्देश भी दिए। श्री राकेश शुक्ला ने माननीय प्रधानमंत्री महोदय द्वारा नवकरणीय ऊर्जा एवं ऊर्जा प्रबंधन के क्षेत्र में घोषित विभिन्न परियोजनाओं के समुचित विकास के लिये म.प्र. ऊर्जा विकास निगम की कटिबद्धता दर्शाई गईजिनमें मुख्य रूप से पी-एम कुसुम एवं पी-एम सूर्योदय योजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर वृहद स्तर पर क्रियान्वित करने पर जोर दिया गया।

अमेरिकी सुपर बाउल परेड में सामूहिक गोलीबारी में 1 की मौत, 21 घायल

इंटरनेशनल डेस्क- कैनसस सिटी चीफ्स की सुपर बाउल जीत का जश्न मनाने के लिए बुधवार की परेड के अंत में गोलीबारी में की मौत हो गई जबकि 22 लोग घायल हो गइ जिसमें आठ बच्चे भी शामिल है। अधिकारियों ने कहा, भयभीत प्रशंसक कवर के लिए भाग रहे थे और एक और यह एक हाई-प्रोफाइल सार्वजनिक कार्यक्रम था। गोलीबारी की ये घटना कैनसस सिटी में चीफ्स की सुपर बाउल जीत के बाद निकाली गई परेड के दौरान हुई। कैनसस सिटी पुलिस प्रमुख स्टेसी ग्रेव्स ने एक संवाददाता सम्मेलन में गोलीबारी में मरने वालों की संख्या के बारे में विस्तार से बताया और कहा कि तीन लोगों को हिरासत में लिया गया है। उन्होंने कहा कि उन्होंने सुना है कि प्रशंसक किसी संदिग्ध को पकड़ने में शामिल हो सकते हैं लेकिन वह तुरंत इसकी पुष्टि नहीं कर सकीं। आज जो हुआ उससे मैं नाराज़ हूं। इस जश्न में आए लोगों को सुरक्षित माहौल की उम्मीद करनी चाहिए. कब्र ने कहा. पुलिस ने हिरासत में लिए गए लोगों के बारे में या गोलीबारी के संभावित मकसद के बारे में तुरंत कोई विवरण जारी नहीं किया।यह अमेरिका में नवीनतम खेल उत्सव है जो गन फायर हिंसा से प्रभावित हुआ है, पिछले साल नगेट्स के एनबीए चैंपियनशिप जीतने के बाद डेनवर शहर में हुई गोलीबारी में कई लोग घायल हो गए थे, और पिछले साल टेक्सास रेंजर्स वर्ल्ड सीरीज़ के पास एक पार्किंग स्थल पर गोलीबारी हुई थी। सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं ने पुलिस के चौंकाने वाले वीडियो पोस्ट किए, जिसमें वे भीड़भाड़ वाले स्थान से गुजर रहे थे और वहां मौजूद लोग छिपने के लिए जल्दबाजी कर रहे थे और भाग रहे थे। एक वीडियो में किसी को स्पष्ट रूप से गोलीबारी के शिकार व्यक्ति की छाती दबाते हुए दिखाया गया है, जबकि एक अन्य व्यक्ति, दर्द से कराहता हुआ, पास में जमीन पर पड़ा हुआ है।

प्रधानमंत्री मोदी दोहा पहुंचे, कतर के अमीर से करेंगे मुलाकात

इंटरनेशनल डेस्क - प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत और कतर के बीच ऐतिहासिक रूप से घनिष्ठ और मैत्रीपूर्ण संबंधों को और मजबूत करने के लिए कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक के लिए बुधवार शाम यहां पहुंचे। वर्ष 2014 के बाद से प्रधानमंत्री के रूप में मोदी की यह दूसरी कतर यात्रा है। मोदी संयुक्त अरब अमीरात की दो दिवसीय यात्रा के बाद दोहा पहुंचे, जहां उन्होंने प्रवासी भारतीय समुदाय के एक कार्यक्रम, 'विश्व सरकार शिखर सम्मेलन% को संबोधित किया और संयुक्त अरब अमीरात के पहले हिंदू मंदिर का भी उद्घाटन किया। मंगलवार को नयी दिल्ली से रवाना होने से पहले प्रधानमंत्री मोदी ने एक बयान में कहा कि वह अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी से मिलने के लिए उत्सुक हैं, ''जिनके नेतृत्व में कतर जबरदस्त विकास और परिवर्तन देख रहा है। भारत द्वारा मोदी की कतर यात्रा की सोमवार को घोषणा के पूर्व कतर ने जेल में बंद भारतीय नौसेना के आठ पूर्व कर्मियों को रिहा कर दिया और उनमें से सात स्वदेश लौट आए। मोदी ने रवाना होने से पहले वक्तव्य में यह भी कहा कि कतर में 8,00,000 से अधिक भारतीय की उपस्थिति ''हमारे लोगों के बीच मजबूत संबंधों का प्रमाण है। अमीर के साथ बातचीत के अलावा, मोदी का कतर में अन्य गणमान्य व्यक्तियों से भी मिलने का कार्यक्रम है।

दुनिया को ऐसी सरकारों की जरूरत जो समावेशी हों, भ्रष्टाचार से मुक्त हों: पीएम मोदी

नेशनल डेस्क- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि दुनिया में आज ऐसी सरकारों की जरूरत है जो समावेशी हों और भ्रष्टाचार से मुक्त हों। मोदी ने कहा कि पिछले कुछ साल से उनका मंत्र 'न्यूनतम सरकार, अधिकतम शासन रहा है। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की अपनी यात्रा के दूसरे दिन यहां विश्व सरकार शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भारत में पिछले कुछ वर्षों में सरकार पर लोगों का भरोसा बढ़ा है। उन्होंने कहा, ''जनता को भारत सरकार की मंशा और प्रतिबद्धता पर भरोसा है। यह केवल इसलिए संभव हुआ क्योंकि हमने जन भावनाओं को प्राथमिकता दी। मोदी ने कहा कि गुजरात के मुख्यमंत्री और भारत के प्रधानमंत्री के रूप में उन्होंने सरकार में 23 साल बिताए हैं और उनका सिद्धांत 'न्यूनतम सरकार, अधिकतम शासन रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने महिला नीत विकास, भारतीय महिलाओं की वित्तीय, सामाजिक और राजनीतिक दशा मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित किया। मोदी ने कहा कि सामजिक और वित्तीय समावेश उनकी सरकार की प्राथमिकता रहा है तथा 50 करोड़ से अधिक लोगों को बैंकिंग प्रणाली से जोड़ा गया। उन्होंने कहा कि दुनिया को आज ऐसी सरकारों की जरूरत है जो समावेशी हों, सभी को साथ लेकर चलें और भ्रष्टाचार से मुक्त तथा साफ-सुथरी हों। मोदी ने कहा, ''एक तरफ दुनिया आधुनिकता की ओर बढ़ रही है और दूसरी तरफ पहले की सदियों की चुनौतियां तीव्र हो रही हैं। उन्होंने कहा, ''आतंकवाद अपने विभिन्न स्वरूपों में हर रोज मानवता के सामने नयी चुनौतियां ला रहा है। आज जलवायु परिवर्तन समय के साथ तेज हो रहा है। एक तरफ घरेलू चिंताएं हैं और दूसरी तरफ अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था अस्त-व्यस्त दिखती है। मोदी ने कहा कि दुबई वैश्विक अर्थव्यवस्था, वाणिज्य और प्रौद्योगिकी का केंद्र बन रहा है। यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद की सराहना करते हुए मोदी ने कहा कि वह दूरदृष्टि और दृढ़संकल्प वाले नेता हैं। 'विश्व सरकार शिखर सम्मेलन का आयोजन 'भविष्य की सरकारों को आकार देना विषय के तहत हो रहा है, जिसमें दुनिया भर की सरकारों, अंतरराष्ट्रीय संगठनों, विचारकों और निजी क्षेत्र के नेताओं के बीच संवाद शामिल है।

मालदीव ने 43 भारतीय नागरिकों समेत 186 विदेशियों को किया निर्वासित

माले - मालदीव ने वीजा उल्लंघन और नशीली दवाओं से संबंधित अपराधों के आरोप में 43 भारतीयों सहित 186 विदेशियों को निर्वासित कर दिया है। निर्वासित किए गए लोगों में सबसे अधिक 83 लोग बांग्लादेश के थे, उसके बाद 43 भारतीय, 25 श्रीलंकाई और आठ नेपाली थे। उनके निर्वासन की तारीख अज्ञात है और यह तब हुआ है जब मालदीव में अवैध रूप से संचालित व्यवसायों को बंद करने के प्रयास चल रहे हैं। होमलैंड सुरक्षा मंत्री अली इहुसन ने मंगलवार को एक प्रेस वार्ता में कहा कि मंत्रालय विभिन्न नामों के तहत चल रहे अवैध व्यवसायों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए आर्थिक मंत्रालय के साथ मिलकर काम कर रहा है। मंत्री ने कहा कि इनमें पंजीकृत और अपंजीकृत दोनों व्यवसाय शामिल हैं। गृह मंत्री इहुसन ने कहा कि ऐसे व्यवसायों में पंजीकृत मालिक के बजाय किसी विदेशी द्वारा संचालित व्यवसाय शामिल हैं। उन्होंने कहा कि गृह मंत्रालय ऐसे व्यवसायों को बंद करने और उन्हें संचालित करने वाले विदेशियों को निर्वासित करने पर काम कर रहा है। आव्रजन नियंत्रक शमां वहीद ने कहा कि अपराध करने वाले 186 विदेशियों को मालदीव से निर्वासित कर दिया गया है। उन्होंने कहा, आव्रजन विभाग ने आपराधिक अपराध करने वाले विदेशी कामगारों को ढूंढने के लिए चलाए गए अभियान में कई लोगों को हिरासत में लिया, जिनमें से जिनके पास वैध दस्तावेज और पासपोर्ट थे, उन्हें निर्वासित कर दिया गया। शानहन ने कहा, आव्रजन और पुलिस सप्ताह में दो या तीन बार क्रमिक रूप से छापेमारी अभियान चला रही है, जिसमें किसी विशिष्ट समूह को निशाना नहीं बनाया जाता है। दिसंबर 2021 में एक कानून बनाया गया था जिसमें कहा गया था कि उन व्यवसायों का पंजीकरण समाप्त किया जा सकता है जहां कोई विदेशी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से मुनाफा कमाता है। लंबे समय तक मैत्रीपूर्ण संबंधों का आनंद लेने के बाद, भारत और मालदीव के बीच संबंधों में खटास आ गई जब मुइज्जू ने %इंडिया आउट% अभियान पर सवार होकर नवंबर का चुनाव जीता। मुइज्जू ने भारत से वहां तैनात अपने लगभग 80 सैन्य कर्मियों को वापस बुलाने के लिए कहा और नई दिल्ली के साथ एक हाइड्रोग्राफिक परियोजना को अस्वीकार कर दिया। मुइज्जू ने भारत द्वारा सुविधा प्राप्त आपातकालीन हेलीकॉप्टर सेवाओं को रोकने की कसम खाई और मार्च 2024 की समय सीमा तय की। संबंधों को एक और झटका तब लगा जब मालदीव के तीन उपमंत्रियों ने इस साल की शुरुआत में लक्षद्वीप के दौरे पर प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की, जिसके कारण भारतीय पर्यटकों ने मालदीव का बड़े पैमाने पर बहिष्कार किया।

इलेक्टोरल बॉन्ड स्कीम पर सुप्रीम कोर्ट आज सुनाएगा फैसला, जानें- क्या है चुनावी बॉन्ड योजना

नेशनल डेस्क- चुनावी बॉन्ड स्कीम की कानूनी वैधता से जुड़े मामले पर सुप्रीम कोर्ट आज अपना फैसला सुनाएगा। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने पिछले साल 2 नवंबर को अपना फैसला सुरक्षित रखा था। इलेक्टोरल बॉन्ड सरकार द्वारा 2 जनवरी 2018 में पेश किया गया था। देखा जाए तो यह यह पूरा मामला राजनीतिक दलों को गुमनाम तरीके से चंदा देने की अनुमति वाले इलेक्टोरल बॉन्ड योजना से जुड़ा है। राजनीतिक पार्टियों के चंदे में पारदर्शिता लाने के लिए इस कानून की ज़रूरत पड़ी है। **चुनावी बॉन्ड स्कीम पर आज होगा फैसला** उच्चतम न्यायालय चुनावी बांड योजना की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर बृहस्पतिवार को अपना फैसला सुनाएगा। प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने पिछले साल दो नवंबर को मामले में अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। **पारदर्शिता के लिए अहम** बांड योजना को सरकार ने दो जनवरी, 2018 को अधिसूचित किया था। इसे राजनीतिक वित्तपोषण में पारदर्शिता लाने के प्रयासों के तहत राजनीतिक दलों को दिए जाने वाले दान के विकल्प के रूप में पेश किया गया था। योजना के प्रावधानों के अनुसार, चुनावी बांड भारत के किसी भी नागरिक या देश में निगमित या स्थापित इकाई द्वारा खरीदा जा सकता है। कोई भी व्यक्ति अकेले या अन्य व्यक्तियों के साथ संयुक्त रूप से चुनावी बांड खरीद सकता है। संविधान पीठ में न्यायमूर्ति संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति बी आर गवई, न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा भी शामिल हैं। पीठ ने पिछले साल 31 अक्टूबर को कांग्रेस नेता जया ठाकुर, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी और एनजीओ एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) द्वारा दायर याचिकाओं सहित चार याचिकाओं पर सुनवाई शुरू की थी। **क्या है चुनावी बांड?** चुनावी बांड एक वित्तीय साधन के रूप में काम करते हैं जो व्यक्तियों और व्यवसायों को अपनी पहचान उजागर किए बिना, राजनीतिक दलों को धन योगदान करने की अनुमति देते हैं। योजना के प्रावधानों के तहत, भारत का कोई भी नागरिक या देश में निगमित या स्थापित इकाई चुनावी बांड खरीद सकती है। ये बांड विभिन्न मूल्यवर्ग में उपलब्ध हैं, जिनकी कीमत ? 1,000 से लेकर ? 1 करोड़ तक है, और इन्हें भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की सभी शाखाओं से प्राप्त किया जा सकता है. ये दान ब्याज मुक्त भी हैं।

अबू धाबी में पत्थरों से बने पहले हिंदू मंदिर की वास्तुकला में यूएई की झलक

नेशनल डेस्क- संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के सात अमीरातों का प्रतिनिधित्व करने वाले सात शिखर, ऊंटों की नक्काशी और राष्ट्रीय पक्षी बाज अबू धाबी में पत्थरों से बने पहले हिंदू मंदिर में मेजबान देश की झलक पेश करते हैं। दुबई-अबू धाबी शेख जायेद हाइवे पर अल रहबा के समीप स्थित बोचासनवासी श्री अक्षर पुरुषोत्तम स्वामीनारायण संस्था (बीएपीएस) द्वारा निर्मित यह हिंदू मंदिर करीब 27 एकड़ जमीन पर बनाया गया है। इस मंदिर को करीब 700 करोड़ रुपए की लागत से बनाया गया है। मंदिर के लिए जमीन संयुक्त अरब अमीरात ने दान में दी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस मंदिर का बुधवार को उद्घाटन करेंगे। मंदिर में मूर्तियों की प्राण-प्रतिष्ठा बुधवार सुबह शुरू हुई। प्रधानमंत्री मोदी शाम को भव्य मंदिर के उद्घाटन समारोह का नेतृत्व करेंगे जो 10 फरवरी को मंदिर में शुरू हुए 'सद्भावना महोत्सव के समापन का प्रतीक होगा। मंदिर प्राधिकारियों के अनुसार, मंदिर में सात शिखर बनाए गए हैं जो संयुक्त अरब अमीरात के सात अमीरात का प्रतिनिधित्व करते हैं। बीएपीएस के अंतरराष्ट्रीय संबंधों के प्रमुख स्वामी ब्रह्मविहरिदास ने 'पीटीआई से कहा, ''सात शिखरों पर भगवान राम, भगवान शिव, भगवान जगन्नाथ, भगवान कृष्ण, भगवान स्वामीनारायण, तिरूपति बालाजी और भगवान अयप्पा की मूर्तियां हैं। सात शिखर संयुक्त अरब अमीरात के सात अमीरात का प्रतिनिधित्व करते हैं।%% उन्होंने कहा, ''सात शिखर सात महत्वपूर्ण देवताओं को समर्पित हैं। ये शिखर संस्कृतियों और धर्मों के परस्पर संबंध को रेखांकित करते हैं। आम तौर पर, हमारे मंदिरों में या तो एक शिखर होता है या तीन या पांच शिखर होते हैं, लेकिन यहां सात शिखर सात अमीरात की एकता के प्रति हमारा आभार व्यक्त करते हैं। ब्रह्मविहरिदास ने कहा, ''इन शिखरों का उद्देश्य बहुसांस्कृतिक परिदृश्य में एकता और सद्भाव को बढ़ावा देना है। कुल 108 फुट ऊंचा यह मंदिर क्षेत्र में विविध समुदायों के सांस्कृतिक एकीकरण का मार्ग प्रशस्त करेगा। मेजबान देश को समान प्रतिनिधित्व देने के लिए भारतीय पौराणिक कथाओं में हाथी, ऊंट और शेर जैसे महत्वपूर्ण स्थान रखने वाले जानवरों के साथ-साथ यूएई के राष्ट्रीय पक्षी बाज को भी मंदिर के डिजाइन में शामिल किया गया है। मंदिर में पत्थरों पर नक्काशी करने वाले कारीगर सोमसिंह ने कहा, ''दृढ़ता, प्रतिबद्धता और धीरज के प्रतीक ऊंट को संयुक्त अरब अमीरात के परिदृश्य से प्रेरणा लेते हुए मंदिर की नक्काशी में उकेरा गया है। मंदिर में रामायण और महाभारत सहित भारत की 15 कहानियों के अलावा माया, एजटेक, मिस्र, अरबी, यूरोपीय, चीनी और अफ्रीकी सभ्यताओं की कहानियों को भी दर्शाया गया है। मंदिर में 'शांति का गुंबद और 'सौहार्द का गुंबद भी बनाया गया है।

ईरान के मंत्री ने विस्फोट के लिए 'आतंकवादियों को ठहराया जिम्मेदार

इंटरनेशनल डेस्क - ईरान में बुधवार तड़के एक गैस पाइपलाइन में हुए विस्फोट के लिये तेल मंत्री जवाद ओवजी ने 'आतंकवादियों को जिम्मेदार ठहराया। शाना समाचार एजेंसी ने ओवजी के हवाले से कहा कि विस्फोट स्थानीय समयानुसार देर रात करीब एक बजे फ़ार्स और चहारमहल और बख्तियारी प्रांतों में राष्ट्रव्यापी गैस हस्तांतरण नेटवर्क के दो अलग-अलग केंद्रों पर हुआ। ओवजी ने विस्फोटों को 'आतंकवादी कृत्य घोषित किया जिसका उद्देश्य प्रमुख प्रांतों में गैस आपूर्ति को बाधित करना था। उन्होंने कहा कि वर्ष 2011 में इसी पाइपलाइन पर इसी तरह के 'आतंकवादी हमले हुये थे, जिससे चार क्षेत्रों में गैस आपूर्ति अस्थायी रूप से बाधित हो गयी थी। इससे पहले बुधवार को, नेशनल ईरानी गैस कंपनी के प्रेषण निदेशक सईद अकली ने कहा कि विस्फोटों के तुरंत बाद एक संकट प्रबंधन बैठक बुलाई गई, जिसमें तेल मंत्री और सुरक्षा कर्मियों सहित वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। अभी तक किसी भी समूह ने जिम्मेदारी का दावा नहीं किया है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569